संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 66
पृष्ठ 8
रविवार
24 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी....

विचार- विश्व में भारत की साख बढ़ाने की....

खेल- बुमराह ने 19वीं बार पारी में पांच....

जीत के बाद महायुति की प्रेस कॉन्फ्रेंस

सीएम शिंदे बोले- ये ऐतिहासिक जीत

मुंबई। सीएम शिंदे ने कहा कि श्हमने विपक्ष के आरोपों पर जवाब नहीं दिए और सदा जनता के बीच रहकर काम करते रहे। इससे लोगों को पता चल गया कि हम काम करने वाले लोग हैं और जनता ने हमें भरपूर समर्थन दिया। 2019 में जो सरकार बननी चाहिए थी, वो चीज लोगों को पसंद नहीं आई। इसके बाद लोगों ने तय कर दिया कि शिवसेना किसकी है। जो लोग घर बैठकर सरकार चला रहे थे, उन्हें जनता ने आईना दिखाया। लोगों ने विकास को महत्व दिया है। चुनाव में हम सबने मिलकर काम किया। मोदी जी ने कहा कि विकास के लिए एक साथ आइए तो लोगों ने उसका गलत अर्थ निकालने की कोशिश की और जिन्होंने ये काम किया, उसका सबक उन्हें मिला है।

जीत के बाद सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार ने एक साथ आकर मीडिया से बात की। इस दौरान सीएम शिंदे ने जीत को एतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि लाडकी बहिन योजना को जनता का पूरा प्यार मिला। साथ ही किसानों, युवाओं और बुजुर्गों के लिए चलाई गई योजनाओं का भी लाभ मिला। सीएम एकनाथ शिंदे ने अपनी सरकार में हुए विकास कार्यों का भी जिक्र किया और कहा कि राज्य में आधारभूत ढांचे के कई मेगा प्रोजेक्ट शुरू किए गए। वहीं फडणवीस ने कहा कि जनता ने जो समर्थन दिया, उसके लिए मैं नतमस्तक हूं और ये जीत हमारी जिम्मेदारी बढ़ाने वाली है। अजित पवार ने विपक्ष द्वारा ईवीएम पर उठाए गए सवाल पर कहा कि ईवीएम को दोष देना गलत है।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने चुनाव नतीजों पर कहा कि श्यह महायुति के लाखों कार्यकर्ताओं की जीत है। राज्य की लाडकी बहिनों ने गठबंधन को आशीर्वाद दिया, जिससे गठबंधन को बंपर बहुमत मिला है। मैं जनता के आगे नतमस्तक हूं। जनता ने महा विकास अघाड़ी के ध्रुवीकरण के प्रयास को विफल कर दिया है। महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस सवाल पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, श्मुख्यमंत्री के चेहरे पर कोई विवाद नहीं होगा। पहले दिन से ही तय था कि चुनाव के बाद तीनों दलों के नेता एक साथ बैठेंगे और इस पर फैसला करेंगे। फैसला सभी को स्वीकार्य होगा, इस पर कोई विवाद नहीं है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की जीत पर कहा, श्बड़ी सफलता मिली है और अपेक्षा से भी बड़ी सफलता मिली है... महाविकास अघाड़ी को झटका लगा है। उन्होंने(MVA) जो आरोप लगाए थे, उसका उत्तर जनता ने उन्हें दे दिया है... यह हमारी बहुत बड़ी विजय है और महाराष्ट्र की जनता का मैं आभार व्यक्त करता हूं।

महाराष्ट्र में महायुति की जीत पर बोले पीएम मोदी

एकजुट होकर हम भरेंगे ऊंची उड़ान

- हेमंत सोरेन को दी बधाई

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में एनडीए की भारी जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विकास और सुशासन की जीत हुई। मोदी ने एक्स पर लिखा कि एकजुट होकर हम और भी ऊंची उड़ान भरेंगे! उन्होंने कहा कि एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए महाराष्ट्र की मेरी बहनों और भाइयों, विशेषकर राज्य के युवाओं और महिलाओं को हार्दिक आभार। यह स्नेह और गर्मजोशी अद्वितीय है। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि हमारा गठबंधन महाराष्ट्र की प्रगति के लिए काम करता रहेगा। जय महाराष्ट्र! मोदी ने आगे लिखा कि एनडीए के जन–समर्थक प्रयास सर्वत्र गूंज रहे हैं! मैं विभिन्न उप–चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों को आशीर्वाद देने के लिए विभिन्न राज्यों के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हम उनके सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे जीत पर उनके प्रयास के लिए प्रेरक एनडीए कार्यकर्ता पर गर्व है। उन्होंने कड़ी मेहनत की, लोगों के बीच गए और हमारे सुशासन के एजेंडे को विस्तार से बताया।

झारखंड में जीत के लिए पीएम ने हेमंत सोरेन को बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि मैं झारखंड के लोगों को हमारे प्रति उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हम लोगों के मुद्दों को उठाने और राज्य के लिए काम करने में हमेशा आगे रहेंगे। मैं राज्य में उनके प्रदर्शन के लिए झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को भी बधाई देता हूं। महाराष्ट्र में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति ने महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन के खिलाफ अजेय बढ़त हासिल कर ली, जबकि झारखंड में 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस) सत्ता में वापसी करता दिख रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती के साथ ही भाजपा में जश्न का माहौल है जहां 149 सीट पर चुनाव लड़ने वाली पार्टी 125 सीट जीतने की ओर अग्रसर है। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ मिलकर भाजपा नीत सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन राज्य की 288 सीट में से 219 सीट जीतने की ओर अग्रसर है, जबकि कांग्रेस–शिवसेना (उबाठा), राकांपा (एसपी) गठबंधन को सिर्फ 51 सीट पर ही जीत मिलने की संभावना है। दोनों राज्यों के मतदाता बदलाव के बजाय निरंतरता के पक्ष में हैं।

यूपी उपचुनाव के नतीजों पर अखिलेश बोले-

असत्य का समय हो सकता है, युग नहीं

लखनऊ। 2024 के उत्तर प्रदेश उपचुनाव परिणामों में, भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नौ में से सात सीटें जीतकर एक प्रमुख जीत हासिल की। समाजवादी पार्टी (सपा) दो निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करने में सफल रही। भाजपा की प्रमुख जीतों में गाजियाबाद और खैर निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं, जिससे राज्य में उसकी उपस्थिति और मजबूत हुई है। इसको लेकर जहां भाजपा में जश्न है वहीं, समाजवादी पार्टी अब सवाल खड़े कर रही है। उपचुनाव परिणामों को लेकर अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया है। अखिलेश यादव एक्स पर लिखा कि 'इलेक्शन' को 'करप्शन' का पर्याय बनानेवालों के हथकंडे तस्वीरों में कैद होकर दुनिया के सामने उजागर हो चुके हैं। दुनिया से लेकर देश और उत्तर प्रदेश ने इस उपचुनाव में चुनावी राजनीति का सबसे विकृत रूप देखा। उन्होंने कहा कि असत्य का समय हो सकता है लेकिन युग नहीं।

उन्होंने लिखा कि अब तो असली संघर्ष शुरू हुआ है३ बाँधो मुट्ठी, तानो मुट्ठी और पीडीए का करो उद्घोष 'जुड़ेंगे तो जीतेंगे!'

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी के रूप में समाजवादी पार्टी के दोनों उम्मीदवारों को जिताने के लिए सभी मतदाताओं, समर्थकों, कार्यकर्ताओं और नेताओं का हार्दिक आभार और दिल से शुक्रिया। उन्होंने कहा कि मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा सीट से श्री अबू आसिम आजमी व भिंवडी ईस्ट विधानसभा से श्री रईस कसम शेखध को जीत की हार्दिक बधाई। ये पीडीए की एकजुटता की जीत है!

यूपी उपचुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के शानदार प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया. पार्टी 9 विधानसभा सीटों में से 7 पर आगे चल रही है, जबकि समाजवादी पार्टी दो पर आगे है। अपनी पहली प्रतिक्रिया में सीएम योगी ने जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन को दिया. उन्होंने नतीजों को डबल इंजन सरकार की सुरक्षा, सुशासन और जन कल्याण की नीतियों में लोगों के अटूट विश्वास का प्रतिबिंब बताया।

सीएम योगी बोले–मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर जनता को विश्वास फिर दोहराया बटेंगे तो कटेंगे

लखनऊ। यूपी उपचुनाव में मिली जीत के बाद भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ कुछ देर में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इससे पहले भाजपा कार्यालय में पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सीएम का स्वागत किया।

सीएम योगी ने कहा कि नौ में से सात सीटों पर जीत का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। पीएम पर लोगों को अटूट विश्वास है। ये जीत उसी का प्रमाण है। हम सब जनता का आभार व्यक्त करते हैं। सपा और इंडी की लूट और झूठ की राजनीति की समाप्ति की शुरुआत का ये परिणाम है।

मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर जनता को विश्वास कहा कि जो जनादेश महाराष्ट्र में मिला, ये राम और राष्ट्र के आराधक नए भारत की जीत है। आंबेडकर का अपमान करने वालों की पराजय है। आज फिर से स्पष्ट हुआ है कि देश की जनता को मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर अटूट विश्वास है। तुष्टिकरण और सांप्रदायिकता के शॉर्टकट से सरकार बनाने का सपना देख रहे इंडी गठबंधन की ये पराजय है।

सीसामाऊ के चुनाव को रद्द कराना चाहती थी सपा

यूपी उपचुनाव के बारे में सपा ने मतदान के दिन से जो प्रलाप किया, उस पर जनता ने जो जवाब दिया है, कुंदरकी उसका उदाहरण है। सपा की जमानत जब्त होने वाली है। सपा सीसामाऊ के चुनाव को रद्द कराना चाहती थी। अब सिर्फ आठ हजार से जीत पाए हैं। करहल में सपा सिर्फ 14 हजार वोट से जीती है। जो केशव मौर्य ने कहा है उस ओर हम बढ़ रहे हैं।

बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

सीएम ने दोहराया बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। ये देश की जनता ने माना है। कुंदरकी पर कहा कि राष्ट्रवाद, जड़ और मूल की जीत सबको अपना गोत्र याद आया। अपनी जीत याद आती है।

इससे पहले सीएम योगी ने सोशल मीडिया अकाउंट श्एक्सश पर पोस्ट किया। लिखा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनावों में भाजपा–एनडीए की विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता–जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। ये जीत डबल इंजन सरकार की सुरक्षा–सुशासन एवं जन–कल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सफल है।

विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई

मुख्यमंत्री ने लिखा कि उत्तर प्रदेश के सुशासन और विकास को अपना मत देने वाले उत्तर प्रदेश के सम्मानित मतदाताओं का आभार। सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई। उन्होंने एक बार फिर सचेत किया कि बटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे–सेफ रहेंगे।

मणिपुर में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक दो दिन के लिए बढ़ाई गई

मणिपुर सरकार ने सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर लगी रोक शनिवार को दो दिन के लिए बढ़ा दी। सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई है। प्रशासन ने बढ़ती हिंसा के बीच असामाजिक तत्वों को कानून–व्यवस्था के लिए समस्या पैदा करने वाली सूचनाएं फैलाने से रोकने के लिए 16 नवंबर को दो दिन के लिए सेवाएं निलंबित कर दी थीं। तब से इसे कई बार बढ़ाया जा चुका है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया, ''राज्य सरकार ने कानून–व्यवस्था की समीक्षा करने के बाद जनहित को ध्यान में रखते हुए इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्वी, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर और कांगपोकपी में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं दो दिन के लिए निलंबित रखने का निर्णय लिया है।'' तीन महिलाओं और तीन बच्चों के शव बरामद होने के चलते राज्य में हिंसा भड़कने के बाद 16 नवंबर को इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। मणिपुर सरकार ने आम लोगों, स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य कार्यालयों को हो रही परेशानियों को देखते हुए 19 नवंबर को ब्रॉडबैंड सेवाओं से रोक हटा ली थी।

28 किलोग्राम गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

ललितपुर जिले के महरौनी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अनुमानित तीन लाख रुपये की कीमत का 28 किलोग्राम गांजा बमरद किया और दो तस्करों को पकड़ा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि शुक्रवार को कस्बे के सुंदरम ढाबे के नजदीक वाहनों के जांच अभियान के दौरान एक कार को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें 28 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि कार सवार दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनकी पहचान जालौन के निवासी अंकित द्विवेदी (26) और चित्रकूट के निवासी शुभम यादव (24) के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों का अपराधिक रिकॉर्ड है। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए गांजे की अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये है। तस्करी में इस्तेमाल कार को जब्त कर लिया है और तस्करों को जेल भेज दिया है।

वायनाड से प्रियंका गांधी की जबरदस्त जीत, राहुल गांधी को भी छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को वायनाड लोकसभा उपचुनाव जीत लिया है, जो उनकी पहली चुनावी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने भाई राहुल गांधी द्वारा हासिल किए गए वोटों के अंतर को पार कर लिया। इसके बाद प्रियंका ने एक्स पर ट्वीट किया कि वायनाड की मेरी प्यारी बहनों और भाइयों, आपने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं कृतज्ञता से अभिभूत हूं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि समय के साथ, आप वास्तव में महसूस करें कि यह जीत आपकी जीत है और जिस व्यक्ति को आपने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है वह आपकी आशाओं और सपनों को समझता है और आपके लिए लड़ता है। मैं संसद में आपकी आवाज बनने के लिए उत्सुक हूं! गांधी ने आगे लिखा कि मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद और इससे भी अधिक आपने मुझे जो अपार प्यार दिया है उसके लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि यूडीएफ में मेरे सहकर्मी, पूरे केरल के नेता, कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और मेरे कार्यालय के सहकर्मी जिन्होंने इस अभियान में अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, मेरी प्रतिदिन 12 घंटे की कार यात्रा (कोई भोजन नहीं, कोई आराम नहीं) को सहन करने के लिए, और उन आदर्शों के लिए सच्चे सैनिकों की तरह लड़ने के लिए जिनमें हम सभी विश्वास करते हैं।

1,000 साल पुरानी भगवान राम की मूर्ति की उंगली की मरम्मत की

इस वर्ष भगवान राम लला की अयोध्या में स्थापना होने और भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद एक और बड़ा अपडेट भगवान राम को लेकर सामने आया है। अब तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भगवान राम की एक प्राचीन मूर्ति की टूटी हुई उंगली की मरम्मत की है। इस मूर्ति के बारे में माना जाता है कि यह मूर्ति 1,000 साल पुरानी है। मूर्ति की मरम्मत को लेकर ये जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, 2021 में भगवान राम के मेले के दौरान मूर्ति के बाएं हाथ की एक अंगुली में मामूली फ्रैक्चर हो गया था।

प्रयागराज में जीत से पहले भाजपा प्रत्याशी से हाथापाई

मतगणना केंद्र पर बवाल, कुर्सियां तोड़ीं, पुलिस ने लाठियों से खदेड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर सीट पर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल की जीत हो गई है। उन्होंने सपा प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी को 11,305 वोटों से हराया। इससे पहले उपचुनाव की मतगणना के बीच बसपा समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। नारेबाजी करते हुए मतगणना केंद्र पर कुर्सियां तोड़ दीं।

हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया। लाठी लेकर कार्यकर्ताओं को खदेड़ लिया। इस दौरान काउंटिंग रोक दी गई। डीएम ने माइक से सभी को चेतावनी दी। डीएम ने कहा– उपद्रव और हंगामा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। रासुका लगाया जाएगा।

डीएम ने बताया–बसपा के इलेक्शन एजेंट अनूप की भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल से हाथापाई हुई। इसके बाद विवाद बढ़ गया। हम लोग मौके पर थे। एसीपी के साथ हमने हालात पर काबू पाया। भाजपा प्रत्याशी शांतिपूर्वक बैठे थे। बसपा कार्यकर्ताओं ने माहौल खराब किया।

डीएम ने मीडिया से बात करते हुए कहा– 10 मिनट तक काउंटिंग रोकी गई। कुछ लोगों को चोट आई हैं। ये लोग आपस में मारपीट कर रहे थे। बहुत सारे लोग चले गए हैं। पुलिस टीम दबिश दे रही है। बसपा के कार्यकर्ता लगातार हूटिंग

कर रहे थे। इसके बाद मामला बढ़ गया।

फूलपुर उपचुनाव में कुल 34 राउंड की मतगणना पूरी हो चुकी है। बीजेपी के दीपक पटेल को 78289 मत मिले। जबकि सपा के मुज्तबा सिद्दीकी को 66984 वोट मिले। फूलपुर विधानसभा से उपचुनाव के लिए 12 प्रत्याशी मैदान में थे। 20 नवंबर को हुए मतदान में 43: मतदान हुआ।

सपा प्रत्याशी ने भाजपा पर लगाया धन बल का आरोप

फूलपुर उप चुनाव में सपा प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी ने भाजपा प्रत्याशी की जीत के पीछे सत्ता और धन बल के इस्तेमाल कर चुनाव जीतने का आरोप लगाया।

मुजतबा सिद्दीकी ने कहा कि चुनाव के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री का तीन बार सभाएं करना, प्रशासन द्वारा सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं को लगातार परेशान करना, लाल कार्ड जारी कर हतोत्साहित करना, यह रणनीति का हिस्सा था।मतदान के दिन भाजपा नेताओं द्वारा पोलिंग बूथों पर दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचकर मतदान प्रभावित करना स्वस्थ लोकतंत्र और संविधान में आम आदमी को प्राप्त अधिकार के साथ किया गया खिलवाड़ है।

कुल 34 राउंड की मतगणना पूरी

फूलपुर उपचुनाव में कुल 34 राउंड की मतगणना पूरी हो चुकी है। बीजेपी के दीपक पटेल को 78289 मत मिले। जबकि सपा के मुज्तबा सिद्दीकी को 66984 वोट मिले। बीजेपी प्रत्याशी ने सपा प्रत्याशी 11 हजार 305 वोटों से हराया।

फूलपुर हार के बाद सपा प्रत्याशी का पहला बयान

प्रयागराज में मुज्तबा सिद्दीकी बोले–हमें शासन और प्रशासन ने मिलकर हराया

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में हार के बाद समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने शासन व प्रशासन पर आरोप लगाए। उन्होंने अपनी हार के पीछे सत्ता और धन बल का आरोप लगाया। सपा प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी ने हार के बाद

कहा–सत्ता और धनबल के इस्तेमाल कर उन्हें हरा दिया गया। चुनाव में हार के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व फूलपुर उपचुनाव के प्रभारी इंद्रजीत सरोज, प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी समेत अधिकारियों ने आपस में बैठक कर समीक्षा भी की। मुज्तबा सिद्दीकी ने कहा कि चुनाव के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री का तीन बार सभाएं करना, प्रशासन द्वारा सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं को लगातार परेशान कर लाल कार्ड जारी कर हतोत्साहित करना, कई प्रभावशाली कार्यकर्ताओं को थानों में बैठाए रखने व मतदान के दिन भाजपा नेताओं द्वारा पोलिंग बूथों पर दर्जनों गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचकर मतदान प्रभावित करना स्वस्थ लोकतंत्र और संविधान में आम आदमी को प्राप्त अधिकार के साथ किया गया खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि वह फूलपुर की जनता के सुखरू दुख में पूर्व की भांति हमेशा खडेघ् रहेंगे।

जूना अखाड़ा ने मेला क्षेत्र में किया धर्म ध्वजा स्थापित

महाकुंभ मेला क्षेत्र में जूना अखाड़ा के संत हुए शामिल, वैदिक मंत्रोंच्चार के बीच हुआ आयोजन

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ को लेकर अखाड़ों की तरफ से भी लगातार तैयारियां चल रही है। इस बीच शनिवार को सबसे बड़े अखाड़े जूना अखाड़ा की तरफ से मेला क्षेत्र में धर्म ध्वजा की स्थापना की गई। इस दौरान जूना अखाड़ा के संतों के साथ ही अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी व अन्य संत मौजूद रहे। मेला क्षेत्र में जूना अखाड़ा की तरफ से धर्म ध्वजा की स्थापना के पूर्व विधि विधान

के साथ पूजन किया गया। संतों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धर्म ध्वजा पर तिलक और फूल, अच्छत करके उसका पूजन किया। उसके बाद धर्म ध्वजा को मेला क्षेत्र में स्थापित किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि धर्म ध्वजा सनातन का प्रतीक है। इसी कारण इसकी स्थापना पूरे विधि विधान के साथ होती है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो, इसके लिए वह मेला प्रशासन से बात करेंगे। अखाड़ों की तरफ से महाकुंभ की तैयारियां जारी है। जिससे उसको भव्य और दिव्य बनाया जा सके। प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ को इस बार चार हजार हेक्टयर में बसाया जा रहा है। मेला क्षेत्र में सभी 13 अखाड़ों को भूमि का आवंटन किया जा चुका है। इसके बाद अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन किया जाना है। मेला प्रशासन की तरफ से वर्तमान में संगम नोज के पास जमीन का समतली करण कराया जा रहा है। जिससे मेला बसाने की प्रक्रिया शुरू हो सके।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव पर मांगा जवाब

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याचिका पर 10 दिन में जरूरी निर्देश लेने का निर्देश दिया

प्रयागराज। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में छात्र संघ चुनाव कराने की मांग पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के वकील को एएमयू के एक छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका (पीआईएल) के संबंध में विश्वविद्यालय से जरूरी निर्देश प्राप्त करने के लिए 10 दिन का समय दिया है।

एलएलएम के छात्र कैफ हसन द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि 2019 से चुनाव न कराने से एएमयू छात्रों के अधिकारों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन कर रहा है।

जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता और जस्टिस अनीश कुमार गुप्ता की पीठ ने मामले की सुनवाई की। याचिका में तर्क दिया गया है कि एएमयू अधिनियम 1920 और लिंगदोह समिति की सिफारिश के अनुसार, एएमयू निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रतिवर्ष छात्र संघ चुनाव कराने

के लिए बाध्य है। कहा गया कि एएमयू ने पिछले छह वर्षों में छात्र संघ चुनाव नहीं कराए हैं। याचिका में कहा गया है कि इस तरह से चुनाव न कराना केरल विश्वविद्यालय बनाम काउंसिल ऑफ प्रिंसिपल्स कॉलेज केरल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जानबूझकर अवज्ञा करना है, जिसमें शीर्ष न्यायालय ने छात्र संघ चुनाव के महत्व पर जोर दिया था।

यूजीसी से भारी मात्रा में अनुदान मिला, छात्रसंघ का धन भी शामिल

याचिका में कहा गया है कि विश्वविद्यालय को यूजीसी से भारी मात्रा में अनुदान मिला है, जिसमें छात्र संघ के लिए धन भी शामिल है। इसका उपयोग नहीं किया गया है।

याचिका में आगे कहा गया है कि छात्रों ने संबंधित प्रतिवादी अधिकारियों के समक्ष अभ्यावेदन किया है, परन्तु संबंधित प्रतिवादी अधिकारियों द्वारा कोई निर्णय है। पीआईएल याचिका में छात्र संघ के महत्व पर भी जोर दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो न केवल छात्रों के कल्याण तक सीमित है, बल्कि बड़े पैमाने पर जनता के हित में एक बड़ी भूमिका निभाता है।

जनहित याचिका में कहा गया है, कि एएमयू में लगभग 40,000 छात्र नामांकित हैं और छात्रों की शिकायतों और अन्य संबंधित समस्याओं के उचित प्रतिनिधित्व के लिए छात्र संघ की आवश्यकता है। क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों को अपने संबंधित मुद्दों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आवाज की आवश्यकता है। जनहित याचिका में प्रार्थना की गई है कि एएमयू प्रबंधन को लिंगदोह समिति की सिफारिश के अनुसार छात्र संघ चुनाव कराने का निर्देश दिया जाए।

प्रयागराज में वकीलों ने डीएम कार्यालय घेरा, हंगामा

वकील की हत्या के विरोध में दूसरे दिन भी हड़ताल जारी, एक करोड़ मुआवजा मांगा

प्रयागराज। प्रयागराज में वकील अखिलेश शुक्ला उर्फ गुड्डू की हत्या के खिलाफ वकीलों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। शनिवार को भी जिला अधिवक्ता संघ के ऐलान पर वकीलों ने कामकाम ठप रखा।

न्यायिक कार्य से वितर वकीलों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए वकील सैकड़ों की संख्या में कचहरी से नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पहुंच गए। वकीलों ने डीएम कार्यालय के गेट पर जमकर हंगामा किया।

खबर पाकर पुलिस अधिकारी डीएम कार्यालय पहुंच गए। वकीलों ने पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी की। कहा जघन्य हत्याकांड के आरोपी ठेकेदार के साथियों को भी जेल भेजा जाएग। डीएम समेत पुलिस अधिकारियों ने वकीलों को समझा कर शांत कराया।

जिला अधिवक्ता संघ ने अपनी मांगों का एक ज्ञापन अधिकारियों को दिया है। इसमें वकील अखिलेश शुक्ला के परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा, बेटे को सरकारी नौकरी, परिवार को असलहों का लाइसेंस, ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड कर कभी काम न देना और ठेकेदार के साथी साथियों को जेल भेजे जाने की मांग की गई है। इससे पहले शुक्रवार को भी जिला अधिवक्ता संघ के ऐलान पर वकीलों ने हड़ताल कर की थी।

जेल भेजे गए आरोपी

1. निखिल कान्त सिंह पुत्र मान सिंह निवासी नरियांव थाना जंहागीरगंज जनपद अम्बेडकर नगर, उम्र करीब 26 वर्ष।

2. प्रिन्स सिंह उर्फ रणविजय सिंह पुत्र जितेन्द्र प्रताप सिहं निवासी रामपुर उदयभान थाना कोतवाली जनपद बलिया, उम्र 48 वर्ष

3.मनोज सिंह पुत्र स्वर्गीय बबन सिंह निवासी ग्राम तिलापुर जमधारवा थाना रेवती जिला बलिया।

17 नवंबर की रात प्रयागराज के सलोरी इलाके में अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला उर्फ गुड्घ्डू पर जानलेवा हमला हुआ था। सिंचाई विभाग के ठेकेदार से विवाद के बाद दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई।

ठेकेदार के साथ तीन गाड़ियों से आए लोगों ने फायरिंग करने के बाद अखिलेश शुक्ला को राइफल की बट, राड से इतना पीटा कि वह खून से लथपथ हो गए।इसके बाद हमलावर उन्हें छोड़कर चले गए। मारपीट में कई और लोग भी जख्मी हुए हैं। गंभीर हालत में वकील को अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें मेदांता लखनऊ रेफर कर दिया गया था।

इसके बाद 21 नवंबर को अखिलेश शुक्ला की मौत हो गई थी। वकील की मौत के बाद सलोरी बाजार बंद हो गया। शव पहुंचने पर हंगामे की तैयारी थी लेकिन पुलिस अधिकारियों ने समझा कर मामला शांत करा दिया था। 22 नवंबर की सुबह वकील के शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया था। जिला अधिवक्ता संघ ने विरोध प्रदर्शन का ऐलान करते हुए हड़ताल कर दी थी।

प्रयागराज में मिली लाश, हाईवे पर किनारे पड़ी थी, राहगीरों ने पुलिस को बुलायाय हत्या की आशंका

मेजा। प्रयागराज में मांडा थाना क्षेत्र के गरेथा गांव के सामने प्रयागराज–मिर्जापुर राजमार्ग पर शनिवार तड़के 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही दीघिया चौकी प्रभारी डॉ. बाबूराम अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जो सड़क दुर्घटना के लग रहे हैं। लेकिन मृतक के पास से कोई वाहन, कागजात या पहचान पत्र न मिलने से मामला संदिग्ध हो गया है। पुलिस हत्या और दुर्घटना, दोनों कोणों से जांच कर रही है। तड़के सुबह हाईवे किनारे शव को देखकर स्थानीय राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटनास्थल पर कोई वाहन न मिलना, मृतक की जेबों का खाली होना और हाईवे पर शव का अचानक दिखना यह सब क्षेत्रवासियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि मृतक वहां कैसे और कब पहुंचा? दीघिया चौकी प्रभारी डॉ. बाबूराम ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। इस घटना से क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल है। वहीं, पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध जानकारी के बारे में तुरंत पुलिस को सूचित करें।

ड्राइवर को निकाला तो शूटर से कराई कॉल

प्रयागराज में कार चालक ने वीडियो अपलोड कर धमकी दी, लगाए आरोप

प्रयागराज। प्रयागराज के करेली इलाके के रहने वाले एक कारोबारी की पत्नी को उसका ड्राइवर ही ब्लैकमेल करने लगा। ड्राइवर की निगाह गंदी देख उसे नौकरी से निकाल दिया गया तो वह सोशल मीडिया पर फोटो डालने लगा। मालकिन के कैरेक्टर पर सवाल उठाने लगा। एक शूटर से धमकी दिलवाई की नौकरी पर बुला लो वरना जान से मार देंगे।

शहर के करेली थाना क्षेत्र के जीटीबी नगर की रहने वाली महिला ने पुलिस को तहरीर दी है कि पिछले दस साल से रेहान अहमद नाम का व्यक्ति उनकी कार चला रहा था। इस दौरान ड्राइवर की निगाह उस पर थी। साथ ही वह करोड़ों की प्रापर्टी पर निगाह रखे था।

महिला को यह पता चला कि चालक की नजर उनकी संपत्ति पर है तो उसने ड्राइवर को हटा दिया। इससे खुन्नस खाकर आरोपी चालक महिला को परेशान करने लगा।

इतना ही नहीं जान से मारने की धमकी दी और चरित्र पर सवाल उठाया। उसने वारिस शूटर नामक व्यक्ति से काल करवाया। उसने धमकाया कि रेहान को पास वापस बुला लो वरना जान से मारी जाओगी।

इसके बाद ड्राइवर सोशल मीडिया पर फोटो आदि डालने की धमकी देने लगा। महिला का आरोप है कि उसने फर्जी वीडियो अपलोड करने की धमकी दी।

महिला का आरोप है कि रेहान उसे बदनाम कर रहा है और वारिस इसमें उसका सहयोग करता है। तहरीर पर करेली पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है।

15 साल उम्रकैद काटी, अब जमानत मंजूर

मुजफ्फरनगर का मामला, हाईकोर्ट ने कहा–विचाराधीन अपील की शीघ्र सुनवाई की संभावना नहीं, रिहा करें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपहरण व हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा भुगत रहे मुजफ्फरनगर थाना झिंझाना के छोटा उर्फ छोटा सुनील व प्रदीप की जमानत अर्जी मंजूर कर

ली। कोर्ट ने कहा कि आरोपी 15 साल की सजा काट चुका है। उसने 2014 में सजा के खिलाफ अपील दाखिल की गई है। विचाराधीन अपील की शीघ्र सुनवाई की संभावना नहीं है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

यह आदेश न्यायमूर्ति ए के सांगवान तथा न्यायमूर्ति एम ए एच इदरीसी की खंडपीठ ने आरोपितों के अधिवक्ता को सुनकर दिया है। इनका कहना था कि पीड़िता के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, किंतु आरोपियों के साथ आखिरी बार देखे जाने का कोई साक्ष्य नहीं है।

परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर सत्र अदालत ने सजा सुनाई है। अपील की शीघ्र सुनवाई की संभावना नहीं है। सौदान सिंह केस के दिशानिर्देश के तहत जमानत पर रिहा किया जाय। कोर्ट ने जमानत मंजूर करते हुए याचियों को तीन माह में जुर्माना राशि अदालत में जमा करने का आदेश दिया है।

उप सचिव वित्त मंत्रालय को जमानती वारंट, पेश हों

हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर को जारी किया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर को वित्त मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के उप सचिव को जमानती वारंट जारी कर 4 दिसंबर को पेश करने का निर्देश दिया है। इससे पहले कोर्ट ने 12 नवंबर 24 को उप सचिव को हाजिर होने का आदेश दिया था। भारत सरकार के अधिवक्ता प्रेम नारायण राय ने बताया कि आदेश की जानकारी के बावजूद कोई जवाब नहीं

मिला है। तीसरी बार केस लगने के बाद भी उप सचिव ने जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया है। जिसे कोर्ट ने गंभीरता से लिया और जमानती वारंट के जरिए उप सचिव को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। याचिका की सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार सांगवान तथा न्यायमूर्ति एमएएच इदरीसी की खंडपीठ ने शाहिद उर्फ कल्लू उर्फ कलुआ की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है।

याची को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। जो अधिकारियों की निरूद्धि में है। इस निरुद्धि को अवैध बताते हुए इसकी वैधता को याचिका में चुनौती दी गई है।

पूर्वोत्तर साहित्य अकादमी द्वारा भारत- नेपाल साहित्यिक, सांस्कृतिक यात्रा एवं साहित्यकार सम्मेलन नेपाल में संपन्न

तेजपुर। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी पूर्वोत्तर क्षेत्र का एक अग्रणी संस्था हैं जिन्होंने इस की स्थापना काल से ही हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार के साथ– साथ इस क्षेत्र के भाषा– संस्कृति की विकास में एक बहुमूल्य भूमिका ग्रहण करते हुए बहुत से साहित्यकारों का जन्म देने में सफल हुआ हैं। इसी बात को एकबार फिर प्रमाणित करते हुए पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के सौजन्य से पहली बार 'भारत नेपाल साहित्यिक, सांस्कृतिक यात्रा एवं साहित्यकार सम्मेलन' का आयोजन 12 नवंबर से 17 नवंबर,2024 तक नेपाल के तीन जगह चितवन,पोखरा तथा काठमांडू में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। स्व वित्त पोषित इस यात्रा में पूर्वोत्तर भारत से रीता सिंह श्सर्जनाश के नेतृत्व में अरुणाचल से गुम्पी डूसो लोम्बि, बाल सहयात्री लिदिन असम के कोकराझार (बीटिआर)से पूजा सुनुवार,रतलाम मध्यप्रदेश से वैदेही कोठारी, तुषार कोठारी और भोपाल से तुमुल सिन्हा शामिल थे।अकादमी की संस्थापक एवं अध्यक्ष रीता सिंह सर्जना ने बताया कि मित्र देश नेपाल में यह पहला अवसर है कि हम साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आदान–प्रदान करने तथा भाई चारे का संदेश लेकर वहाँ पहुँचे, जहाँ इस यात्रा का सुखद अंत हुआ। इस यात्रा का पहला पड़ाव चितवन में साहित्य संगम चितवन की ओर से रञ्जना भन्डारी श्रञ्जुश के संयोजन में प्रकाश चापागाईं, साहित्य सङ्गम , भरतपुर महानगर प्रज्ञा प्रतिष्ठान भरतपुर महानगरपालिका, चितवन, के अध्यक्षता में तथा

प्राज्ञ तथा भाषा साहित्य प्रमुख

प्राज्ञ सदस्य तथा कलासंस्कृति प्रमुख उषा तिवारी ने इस कार्यक्रम का सफल संचालन में काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपकुलपति (भरतपुर महानगर प्रज्ञा प्रतिष्ठान, भरतपुर, महानगरपालिका, चितवन, नेपाल के इन्दप्रसाद रेग्मी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इससे पहले भारत से गए अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर चितवन के विभिन्न संस्थाओं के प्रमुख तथा साहित्यकारों से भेंट हुई। दूसरा पड़ाव पोखरा में दिलिप दोशी ,संस्थापक अध्यक्ष

गजल संध्या पोखरा, नेपाल

के

संयोजन में स्थानीय साहित्यकारों से भेंट कर

साहित्यिक आदान–प्रदान तथा काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। गौर तलब हो कि इस काव्य संध्या में युवा रचनाकारों की उपस्थिति ने चार चांद लगा दिया। युवा तारानाथ पराजुली ने संस्कृत व नेपाली में मिश्रित शिव तांडव गाकर सबका मन मोह लिया तो वही भारत से गुम्पी, पूजा,वैदेही तथा रीता सिंह ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर में युवा कवि, प्रांजल, रोशन तल्कोटे,विष्णु सुवेदी,रोशन तिमल्सेना, नितु पौडेल सहित वरिष्ठ रचनाकार लक्षमण थापा,ईश्वर मणि अधिकारी, दीपक समीप एवं दिलीप दोषी ने काव्य पाठ किया । अंतिम पड़ाव काठमांडू में विशेष रूप से इस यात्रा का समापन हुआ। हाम्रो लघुकथा केन्द्र काठमांडू नेपाल, सृजना अभियान तथा पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में भारत से गए पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के रचनाकारों के सम्मान में भक्तपुर दरबार स्कवायर में लघुकथा गोष्ठी का आयोजन किया गया । सिर्जना अभियान,भक्तपुर नेपाल के अध्यक्ष धनमान श्रेष्ठ की अध्यक्षता तथा भाषा आयोग, नेपाल के माननीय सदस्य डा. पुष्कर्राज भट्ट की उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का संचालन दिलीप हाडा ने की सिर्जना अभियान के सचिव ध्रुव मधिकर्मी ने अपना स्वागत मंतव्य प्रस्तुत किया । कार्यक्रम की शुरुआत लघुकथा गीत से हुई। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी की संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश को नेपाल की ओर से अभिनन्दन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया ।अकादमी की तरफ से रीता सिंह श्सर्जनाश तथा हाम्रो लघुकथा केन्द्र नेपाल की अध्यक्ष लता के सी जी का सम्मान किया तत्पश्चात दोनों ने अपनी अपनी संस्थाओं का परिचय, कार्यक्रम का उद्देश्य तथा नेपाल–भारत संबंध के बारे में अपना विचार व्यक्त किया । इस अवसर पर भारत और नेपाल के रचनाकारों ने लघुकथा का वाचन किया। भारतीय रचनाकार पूजा सुनुवार ने अपनी गीत और कविता प्रस्तुत की वहीं गुम्पो डुबो लोम्बी ने अरुणाचल प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार पद्मश्री येसे दरजे थोंगछी के साहित्य में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्य– एक सेतु का निर्माणष विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए उनकी लघुकथा पर प्रकाश डाला ,रतलाम मध्यप्रदेश के वैदेही कोठारी ने लघुकथा लेखन पर अपना वक्तव्य रखते हुए अपनी लघुकथा तस्वीर का वाचन किया तुमुल सिन्हा ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कविता की कुछ पंक्तियाँ सुनाया । नेपाल के रचनाकारों में सत्या अधिकारी, मनिषा कुमार शर्मा, अंबिका घिताल , रमेश सुवेदी, निर्मला बराल, इंदिरा चापागाई , श्याम श्रेष्ठ, राजेशमान केसी, रोशन पराजुली, मिसु श्रेष्ठ तथा प्रार्थना खनाल ने लघुकथा का वाचन किया । भाषा आयोग के माननीय सदस्य डा. पुष्कर्राज भट्ट ने नेपाली और हिंदी लघुकथा के क्षेत्र में हो रहे कार्य के साथ ही नेपाल– भारत के बीच सहभागिता का भी उल्लेख किया तो वही सिर्जना अभियान भक्तपुर के अध्यक्ष धनमान श्रेष्ठ ने अपने उद्बोधन में कहा भारत नेपाल के साहित्यिक आदान–प्रदान से दोनों देशो के बीच का संबंध और मजबूत होगा।

भाजपा का गढ़ बिहाली में भाजपा का परचम लहराया

9051 वोट से भाजपा का प्रत्याशी दिगंत घटवाल की जीत

विश्वनाथ , असम। राज्य के पाँच विधानसभा उपचुनाव में विश्वनाथ जिले के 77 बिहाली विधानसभा उपचुनाव के आज मतगणना में भाजपा के प्रत्याशी दिगंत घाटोवाल ने अपने विपक्षी कांग्रेस उम्मीदवार जयंत बोरा को 9051 वोटों (मतों) से हराकर भाजपा का गढ़ बिहाली विधानसभा को फिर से कब्जा किया। बिहाली विधानसभा उपचुनाव के पूर्व विश्वनाथ जिला दिसपुर के रूप तब्दील होने के बाद इस सीट पर कांटे की टक्कर थी।

भाजपा से टिकट न मिलने पर कांग्रेस में शामिल प्रत्याशी जयंत बोरा को इस बार भी हार खानी पड़ी।निर्वाचन आयोग के तथ्य के अनुसार 77 बिहाली विधानसभा उपचुनाव के 13वें और अंतिम राउंड के बाद कुल प्राप्त वोट – में आप आदमी पार्टी के प्रत्याशी अनंत गोगोई को 1209 , कांग्रेस के प्रत्याशी जयंत बोरा को 41805 , विजयी भाजपा प्रत्याशीदिगंता घाटोवाल को 50861,सीपीआई(एमएल)लखीकांत कुर्मी को 5086 और नोटा को 1512 वोट प्राप्त हुई। इसके आलावा 77 बिहाली विधानसभा उपचुनाव पोस्टल बैलेट गिनती में कुल 213 प्राप्त डाक मत में से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी अनंत गोगोई को 08 वोट, कांग्रेस प्रत्याशी जयंत बोरा को 91 वोट, विजयी भाजपा प्रत्याशी दिगंत घाटोवाल को 86 वोट, सीपीआई (एमएल) प्रत्याशी लखीकांत कुर्मी को 07 , नोटा को 02 और अस्वीकृत मत 19 प्राप्त हुआ। अंत में ईवीएम और पोस्टल बैलेट को मिलाकर भाजपा प्रत्याशी दिगंत घाटोवाल को 50,947 और कांग्रेस उम्मीदवार जयंत बोरा को 41,896 वोट मिले।

अनिल कुमार श्रीवास्तव बहोरिकपुरी को मिला 'धारा काव्य सुरभि' सम्मान

फाफामऊ/प्रयागराज। सोरांव तहसील के बहोरिकपुरी गांव निवासी कवि अनिल कुमार श्रीवास्तव, बहोरिकपुरी को धारा पब्लिकेशन इन्डिया धमतरी छत्तीसगढ द्वारा धारा काव्य सुरभि अलंकरण श्श सम्मान से सम्मानित किया गया ।यह सम्मान उनको राष्ट्रीय साझा काव्य संग्रह श्शसहर्ष तुम स्वीकार करोश्श में उनके जीवन परिचय के साथ दो कवितायें छपने पर दिया गया।इसके लिये एम के सिंह, मयंक कुमार मुकेश श्रीवास्तव, कवि केशव सक्सेना तथा अनेक साहित्यकारों तथा क्षेत्रीय लोगो द्वारा उनको वधाई दी गयी।

कवि– अनिल कुमार श्रीवास्तव, बहोरिकपुरी।
सोरांव। प्रयागराज।

शहर समता महिला काव्य गोष्ठी जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवरा खातुन जी के संजोजन में और मानव दे के संचालन में आयोजन किया गया

विश्वनाथ। शहर समता महिला काव्य गोष्ठी जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवरा खातुन जी के संजोजन में और मानव दे के संचालन में आयोजन किया गया।

मंच के शुभारंभ में सैयदा आनोवरा खातून जी ने द्वीप प्रज्वलन कर मां सारदे की मूर्ती पर माल्यार्पण की और एक सुंदर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी ।

आज के काव्य मंच पर अध्यक्षता का आसन ग्रहन किया उत्तर प्रदेश से आदरणीय बरिष्ठ गीतकार मनोहर मधुकर जी ने ,और बाकी हिंदी साहित्य प्रेमी के रुप मे बहुत कवि ,कवियत्री भी उपस्थित थे । देहरादून से आदरणीय वरिष्ठ गजलकार आलम मुसाफिर जी , डिब्रुगढ़ असम से कवियत्री उर्मीला ओझा जी , विश्वनाथ चारिआलि से शिक्षिका रुकसात पारवीन जी , बंगाईगांव असम से युवा कवि मानव दे जी , पंजाब लुधियाना से कवियत्री, लेखिका अवंतिका विशाल जी, विश्वनाथ चारिआलि से कवियत्री शिक्षिका मनीषा पाल जी, उत्तर प्रदेश से वरिष्ठ लेखिका खुशबू राठी जी और शहर समता महिला काव्य गोष्ठी विश्वनाथ इकाई की जिलाध्यक्ष सैयदा आनोवारा खातून जी आनलाईन उपस्थित थे। मचं पर कविताओ के फूलझड़ी सभी ने खूब वर्षाए – मधुकर जी केष्मधुकर है हम दूर देश के ...

कर गीत को गुनगुना के चले जायेंगे –ष आलम जी के नक्शे सारे मिटा दिए हमने, ख्वाब शूली चढ़ा दिए हमनेष आनुवारा जी की –ष्मुझे हमसफर बना लो ,सारे कसक अपने दे दो ,मुझे हम दम दर्द बना लो ष खुशबु जी की – ष्जनम सफल कर दिए हमनेष अवंतिका जी की– ष्मैं घर से बन ठन के जब निकली ,देख उसे नजर मेरी फिसली ष रुकसार जी की –ष्आज बाल दिवस है पढ़ना लिखना बंद ष मनीषा जी की –ष्एक

सुरीली,मनोहर सुमधर स्वर से सुंदर सुंदर कविताओं से चार चांद लगा दिए।आज के कविता मंच पर अध्यक्ष मनोहर मधुकर जी ने

सभी कवि ,कवियत्री की कविताओ पर विभिन्न उपमाओ सहित

सुंदर शब्दों से टिप्पणियां की। मनोहर जी ने अपने वक्तव्य में कहा ऋ कि सैयदा जी की हिंदी भाषा साहित्य के प्रति इस तरह का कार्यक्रम और प्रयास

पूर्वोत्तार असम के लिए एक सकारात्मक उर्जा साबित होगी जो हिंदी भाषा साहित्य को आगे ले जाने में सफलता मिलेगी। सैयदा आनोवारा खातून की संजोजन मै और मानव दे के संचालन में आज का कविता मंच सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई । उपस्थित सभी कलम साधकों को सैयदा आनुवारा खातुन जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।

जो दुनिया में प्यार न होता

जो दुनिया में प्यार न होता।
तो फिर शिष्टाचार न होता।।

खुली धूप – छाया भी होती,
स्याह रूह काया भी होती।
सुत होते जाया भी होती,
माँ होती माया भी होती।।

भूख – प्यास बीमारी होती,
जीदारी लाचारी होती।
चीख भरी डिडकारी होती,
बेशक दुनिया दारी होती।।

लेकिन नाज न नखरे होते,
सुख के सुमन न बिखरे होते।
आकर्षक शृंगार न होता,
आह्लादित संसार न होता।।
जो दुनिया में प्यार न होता।।

मात्र पाशविक वृत्ति पनपती,
ताकतवर की शक्ति उमगती।
मिलती मृत्यु न मुक्ति टमकती,
बस तन पर जंजीर खनकती।।

रोज अतिथि विपदाएँ होतीं,
हया हीन पीड़ाएँ होतीं।
दया रहित करुणाएँ होतीं,
अन्धी काम – कलाएँ होतीं।।

पर लम्बे सम्बन्ध न होते,
जीवन के अनुबन्ध न होते।
प्रेम सना व्यवहार न होता,
अनुशासन का भार न होता।।
जो दुनिया में प्यार न होता।।

मोह सहित ममता हर जाती,
जीने की क्षमता क्षर जाती।
नैतिक मानवता मर जाती,
मति को मादकता चर जाती।।

सुन्दरता बोझिल हो जाती,
रंग रहित महफिल हो जाती।
हर आशा धूमिल हो जाती,
मुश्किल से मंजिल मिल पाती।।

कोई कहीं कलंक न होते,
भाग्य भवन में अंक न होते।
बँधा हुआ परिवार न होता,
जीवन का आधार न होता।।
जो दुनिया में प्यार न होता।।

रचनाकार
गिरेन्द्रसिंह भदौरिया 'प्राण'
957 'वृत्तायन' 957 स्कीम नं. 51 इन्दौर– 6 म.प्र.
6265196070
9424044284

वक्फ बिल की आवश्यकता नहीं, वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जे को लेकर देश व्यापी आंदोलन करेंगे : कल्बे जव्वाद

लखनऊ(संवाददाता)। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर बयान दिया है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि वक्फ बोर्ड में हम लोग दूसरे धर्म के लोगों को शामिल करने के विरोध में है। वक्फ की संपत्ति हमारे बुजुर्गों ने मस्जिद, मदरसा और समुदाय की तरक्की के लिए इस्तेमाल करने के लिए दिया था। मौजूदा समय में वक्फ संपत्ति को लेकर जो माहौल तैयार किया जा रहा है हम उसे स्वीकार नहीं करेंगे। मौलाना जव्वाद ने कहा कि लखनऊ समेत पूरे भारत में वक्फ की संपत्तियों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। हमारी मांग हमारी यह है कि सरकार अवैध कबजेदारों के खिलाफ कार्रवाई करके वक्फ की संपत्ति को खाली करवाये। अगर जल्द ही अवैध कब्जे नहीं हटाये गए तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। ठाकुरगंज में कर्बला अब्बास बाग में पुलिस से शिकायत करने के बावजूद भी कर्बला की जमीन पर अवैध निर्माण जारी है और कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब्बास बाग की जमीन का मामला न्यायालय में विचाराधीन है उसके बावजूद भी दबंग बिल्डरों को पुलिस निर्माण करने से नहीं रोक रही है मौलाना ने कहा कि हमारी जमीनों पर जो अवैध कब्जे हो रहे हैं उस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। सरकार के द्वारा सिर्फ अनावश्यक कानून बनाए जा रहे हैं। जिस चीज की मांग की जा रही है उस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मौजूदा समय में जो वक्फ कानून है वो पर्याप्त है। सरकार से हमारी मांग है कि वक्फ की जमीनों को लेकर गंभीरता दिखाते हुए इअवैध कब्जदारों से मुक्त कराया जाए। लंबे समय से वक्फ बिल 2024 जेपीसी कमेटी में है मगर अब तक इसका समाधान नहीं हो सका।

हेरिटेज सैर पर मिली सिर्फ पांच महिलाएं,65 सीटर बस रही खाली, लगातार दूसरी ट्रिप फ्लॉप

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में फ्री हेरिटेज सैर कराने की योजना में दूसरे शनिवार को भी महिलाओं ने रुचि नहीं दिखाई। 65 सीटर डबल डेकर बस तय समय पर अंबेडकर पार्क के पास आकर खड़ी हुई, लेकिन उसे सिर्फ 5 महिला सवारियां ही मिलीं। बस को सिर्फ एक फेरा चलाया गया। सिटी बस के डक आरके त्रिपाठी ने बस का निरीक्षण किया। रूट पर मिल रही महिला सवारियों का आकलन किया। इसके बाद रूट में जनेश्वर मिश्रा पार्क को जोड़ने का निर्णय लिया गया। लगातार दूसरे शनिवार को महिला सवारियां डबल डेकर एसी बस के लिए नहीं मिली। पहली ट्रिप में अंबेडकर यूनिवर्सिटी के पास 5 सवारी मिलीं।

संस्कृत विभाग के विद्यार्थियों की शैक्षणिक, सांस्कृतिक यात्रा सम्पन्न

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय के

माननीय कुलपति प्रो अखिलेश कुमार सिंह की अभिप्रेरणा से संस्कृत विभाग द्वारा शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस यात्रा के अन्तर्गत संस्कृत विभाग के स्नातक,परास्नातक एवं पीएचडी विद्यार्थियों ने श्रृंग्वेरपुर धाम, भारद्वाज आश्रम, राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, केन्द्रीय अभिलेखागार, दुर्वासा आश्रम, वाल्मीकि आश्रम आदि पर्यटक स्थलों का अवलोकन किया। संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो.विवेक कुमार सिंह के निर्देश पर डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ.पीयूष मिश्र व डॉ. प्रिया झा के नेतृत्व में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक यात्रा सम्पन्न हुई। विद्यार्थियों ने निषादराज किला, निषाद पार्क, रामशयन आश्रम, श्रंगी ऋषि के विषय में गहनता से ज्ञानावलोकन किया। शोध में पाण्डुलिपियों की उपादेयता पर विचार विमर्श किया गया। पाण्डुलिपि पुस्तकालय के पाण्डुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर, तकनीकी सहायक हरिश्चंद्र दुबे, साकिरा तलक, डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. प्रिया झा ने पाण्डुलिपि संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया। अतिथि प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने संचालन किया। शिखा श्रीवास्तव ,नितिन त्रिपाठी अनन्तजी मिश्र,श्रीनाथ मिश्रा संदीप दुबे अंजलि गिरि सुप्रिया पांडेय देवेंद्र सिंह अनुराग आजाद उत्कर्ष पांडेय विराज शुक्ला,आदित्यराज गिरी हंसमुख, नितीश कुमार सिंह खुशी गौतम,ऋतु कपाड़िया प्रिया पाल रिया मिश्रा पलक द्विवेदी प्रोणिता धुरिया पूनम सिंह खुशबू सिंह गोल्डी, अंजली , प्रतिष्ठा मिश्रा शिवानी ,माधुरी तिवारी , वंदना गुप्ता अनुज कुमार मिश्रा देवांश विश्वकर्मा सचिन सुधांशु तिवारी प्रिंस कुमार पांडेय,आर्यन गुप्ताविनीत द्विवेदी विजय विश्वकर्मा हरिओम पांडेय, अभिषेक गुप्ता आदि विद्यार्थियों ने शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

एनसीसी स्थापना दिवस मनाया

लखनऊ(संवाददाता)। हम सब भारतीय हैं, अपनी मंजिल एक है–इस उद्देश्य के साथ एनसीसी स्थापना दिवस के उपलक्ष में आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें सीनियर अंडर ऑफिसर पलक गुप्ता के नेतृत्व में अंडर ऑफिसर स्वीटी सिंह, गौरवी यादव, शिवानी पाल समेत बड़ी संख्या में कैडेट्स ने कदम से कदम मिलाते हुए सेरेमोनियल परेड का प्रदर्शन किया, 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन से सूबेदार दीपेंद्र राई, बीएचएम संदीप सिंह नेगी एवं हवलदार सत्यमूर्ति अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अंडर ऑफिसर सोनल सिंह ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण से एनसीसी की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा को प्रदर्शित किया। एनसीसी का ध्येय वाक्य एकता और अनुशासन, एनसीसी के उद्देश्य, मुख्य सिद्धांत, एनसीसी का झंडा तथा एनसीसी प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी दी, कार्यक्रम संयोजक मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना उत्पन्न करने में, सामाजिक और सामुदायिक विकास की गतिविधियों में तथा अनुशासन और व्यक्तित्व के विकास में अहम भूमिका निभा रही है।

सम्पादकीय.....

अदानी के खिलाफ जांच हो

अपने व्यवसाय के तौर–तरीकों और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियों के चलते हमेशा विवादग्रस्त रहे गौतम अदानी, उनके भतीजे सागर अदानी, विनीत जैन (अदानी ग्रीन एनर्जी के पूर्व सीईओ) सहित 8 लोगों के खिलाफ एक अमेरिकी कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। ये सारे अदानी की कम्पनी से जुड़े लोग हैं। यह मामला अदानी एनर्जी की ओर से अमेरिका में सौर ऊर्जा अनुबन्धों से सम्बन्धित है जिस सिलसिले में अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि ठेका पाने के लिये भारतीय अधिकारियों को भारी–भरकम रिश्वत दी गयी। मजेदार बात यह है कि इस आरोप के लगने के कुछ ही घंटे पहले इस फर्म ने अमेरिकी निवेश ग्रेड बाजार में 20 वर्षीय ग्रीन बांड बेचा था। बाजार में इसे जबर्दस्त प्रतिसाद मिला था और इस इश्यू के लिये तीन गुना अधिक आवेदन प्राप्त हुए लेकिन मामला अदालत में जाने के बाद इस बॉन्ड को रद्द कर दिया गया। वैसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मामला चलता रहेगा। देखना यह होगा कि कोर्ट इस पर क्या कार्रवाई करता है और इधर भारत में निवेशकों के हितों की रक्षा करने के लिये बनी सेक्यूरिटिज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) तथा सरकार कौन से कदम उठाती है। हालांकि इसकी सम्भावना नजर नहीं आती क्योंकि सेबी हो या मोदी सरकार– पहले भी अदानी के हितों की रक्षा में सदैव तत्पर दिखाई दिये हैं। यह मामला 25 नवम्बर को शुरू होने जा रहे संसद के सत्र में विपक्ष जरूर उठायेगा। इसकी जांच के लिये संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग अभी से उठने लगी है। गुरुवार की सुबह जैसे ही यह सूचना भारत पहुंची, राजनीतिक व आर्थिक गलियारों में सनसनी फैल गयी। जहां लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर आरोप लगाया कि (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच और मोदी मिलकर जिस प्रकार अदानी को बचाते आये हैं वैसे ही अब भी बचायेंगे। उन्होंने कहा कि सेबी प्रमुख को तत्काल पद से हटाकर किसी निष्पक्ष व्यक्ति को बिठाना चाहिये और अदानी को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जाये। उन्होंने कहा कि वैसे इसकी उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि श्जब तक वे और मोदी एक हैं तब तक वे (अदानी) सेफ है।श उन्होंने कहा कि अदानी पर कार्रवाई को लेकर कांग्रेस के साथ इंडिया गठबन्धन है और संसद में इस मामले पर जेपीसी की मांग की जायेगी। बुधवार को न्यूयॉर्क में दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक गौतम अदानी द्वारा अमेरिका में कार्यरत उनके एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान को ठेका दिलाने के लिये अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की घूस की पेशकश करने तथा इस तथ्य को निवेशकों से छिपाने का आरोपपत्र दाखिल किया गया। कम्पनी को अगले 20 वर्षों में दो अरब डॉलर का लाभ मिलने का अनुमान था। अभियोजन के अनुसार इसकी जांच तकरीबन दो साल से चल रही थी। वैसे अमेरिकन जस्टिस डिपार्टमेंट एंड एक्सचेंज कमीशन द्वारा लगाये गये आरोपों को अदानी समूह ने पूर्णतरू बेबुनियाद बतलाया। समूह ने अपने बयान में कानूनी विकल्पों की तलाश करने की बात करते हुए दावा किया कि अदानी समूह कानून का पालन करने वाली कम्पनी है। उधर ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क के अभियोजक ब्रायन पीस ने बतलाया कि श्अरबों डॉलर का कांट्रैक्ट पाने के लिये भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने की योजना बनी थी।श वैश्विक निवेशकों से पूंजी जुटाने के लिये उसने घूस देने की इस योजना के बारे में झूठ भी बोला। उन्होंने कहा कि श्उनका कार्यालय अंतरराष्ट्रीय बाजार से भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिये कटिबद्ध है। वह ऐसे लोगों से निवेशकों को बचाने के लिये कृतसंकल्पित है जो बाजार की विश्वसनीयता की कीमत पर अमीर हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय से अदानी दुनिया भर में इसलिये चर्चा में हैं क्योंकि बहुत कम समय में वे विश्व के सर्वाधिक धनी लोगों में शुमार हो गये हैं। दो वर्ष पहले वे रातों–रात दूसरे क्रमांक तक पहुंच गये थे। हिंडेनबर्ग की दो खोजी रिपोर्टों में दावा किया गया है कि मोदी सरकार के प्रश्रय के चलते वे शीर्ष स्थान तक पहुंचे हैं। मोदी ने नियमों को ताक पर रखकर उन्हें कई काम दिलाये हैं। राहुल गांधी, अदानी समूह और रिलायंस समूह के मुकेश अंबानी द्वारा देश के व्यवसाय जगत पर एक तरह से कब्जा कर लेने के खिलाफ हमेशा से आवाज उठाते रहे हैं। पिछली लोकसभा में इस पर चर्चा के दौरान राहुल ने वह तस्वीर दिखलाई थी जिसमें मोदी अदानी के साथ और उनके विमान में सफर कर रहे थे। यहां तक कि उनके भाषणों के उन अंशों को स्पीकर ओम बिरला द्वारा हटा दिया जाता रहा। मौजूदा लोकसभा के प्रारम्भिक सत्र से ही इस विषय पर हंगामे होते रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा जब इन दोनों (अदानी–अंबानी) उद्योगपतियों के नामों का उल्लेख न करने की हिदायत दी गयी तो राहुल ने ए–1 और ए–2 कहे जाने की इजजत मांगी थी। वैसे उससे पहले भी राहुल कह चुके हैं कि देश में पहले दो क्रमांकों पर क्रमशरू अदानी और अंबानी हैं। मोदी तीसरे नंबर के व्यक्ति हैं और वे केवल ठेके दिलाने का काम करते हैं। वैसे आरोप बेबुनियाद नहीं है क्योंकि कई देशों में मोदी राष्ट्राध्यक्षों से कहकर अदानी समूह को ठेके दिला चुके हैं। बांग्लादेश में यह बात बाकायदा वहां की संसद में भी उठाई गयी थी। यदि देश की प्रतिष्ठा बचानी है तो भारत सरकार को मामले की जांचकर दोषियों के खिलाफ स्वयं कार्रवाई करनी चाहिये। हालांकि जैसा राहुल गांधी ने दावा किया है इसकी गुंजाइश ना के बराबर है।

विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता

ललित गर्ग

दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी शृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी शृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा।

भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ–व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है।

अब तक विदेशों में कुल 19

बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1–1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो।

भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि "आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।" आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी–मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बडेÞ नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है।

आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। उनकी सबसे बड़ी और असाधारण बात है उनके वक्तव्य और भाषण। जितनी स्पष्टता और प्रभावी तरीके से वे अपनी बात रखते हैं वह विलक्षण है। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है। उन्होंने लोगों में विश्वास जगाया है कि भारत में आर्थिक विकास करने और दुनिया में अपना प्रभुत्व कायम करने की क्षमता है। कठोर परिश्रम एवं अनुशासित जीवन के प्रति उनके अनुराग ने दुनिया को प्रभावित और प्रेरित किया है। राष्ट्रीय स्वयसेवक संघ में एक बाल स्वयं सेवक बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक उनका जीवन अनुशासित रहा है। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए, हर पल उत्साह से बिताना और नियमित योग करना उनकी दिनचर्या है। कई अवसर ऐसे आये जब श्री मोदी ने यह सिखाया और प्रयोग करके दिखाया कि कैसे धैर्य और विनम्रता सबसे भरोसेमंद साथी है। इनके सहारे कठिन चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करते हुए भारत एक महाशक्ति के रूप में उभरते हुए विश्व नेतृत्व की क्षमताओं को उजागर कर रहा है। मोदी की सभी योजनाओं का उद्देश्य देश को विकसित बनाना और आर्थिक अर्थव्यवस्था को सुधारना है। नागरिकों को अच्छी सुविधाएं, आत्मनिर्भर जीवनयापन के अच्छे विकल्प, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा रोजगार, बेहतर वातावरण आदि उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जन धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्किल इंडिया मिशन, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अमृत योजना, डिजिटल इंडिया मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आत्मनिर्भर भारत ने वर्तमान भारत की तस्वीर बदल दी है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये–नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं जिसे समूची दुनिया आश्चर्य से देख रही है। 'सबका साथ–सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र अब हर नागरिक का सूत्र वाक्य है। मोदी के नेतृत्व में कई परिवर्तनकारी पहल की गई हैं, जिनका भारत पर स्थायी प्रभाव पड़ा है। उनके 'स्वच्छ भारत' अभियान ने पूरे देश में स्वच्छता और सफाई के बारे में जागरूकता बढ़ाई है, जबकि 'मेक इन इंडिया' पहल का लक्ष्य भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना है। इसके अतिरिक्त, मोदी के 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम ने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में काफी सुधार किया है, जिससे प्रौद्योगिकी सभी के लिए अधिक सुलभ हो गई है। दस वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा भारत बना है, उसमें विश्व को नयी दिशा देने की क्षमता है। भारत की जनता उन्हें एक नए भारत के अभ्युदय के आधारस्तंभ के रूप में देख रही है।

भारत में एकात्म मानववाद के सिद्धांत को अपनाकर हो आर्थिक विकास

प्रह्लाद सबनानी

भारत के नागरिक पिछले लम्बे समय से पश्चिमी शिक्षा व्यवस्था में पले बढ़े हैं अतः वे भारत की पौराणिक एवं वैदिक ज्ञान परम्परा से विमुख हो गए हैं। इसी प्रकार, प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं आर्थिक चिंतन से भी हम भारतीय इतने अधिक दूर हो गए हैं कि प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र को सिर्फ उक्ति एवं सिद्धांत मानने के साथ साथ अव्यवहारिक भी मानने लगे हैं। जबकि, वैदिक साहित्य में धन के 22 से अधिक प्रकारों की स्पष्ट व्याख्या की गई है, जिसमें शेयर से लेकर आय एवं मूलधन भी सम्मिलित है। प्राचीन भारत के आर्थिक चिंतन को आज यदि लागू किया जाता है तो केवल भारत ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता का कल्याण होगा, क्योंकि हिंदू अर्थशास्त्र एकात्म मानववाद पर आधारित है, जिसमें व्यक्ति अपने लिए नहीं, वरन समष्टि के लिए जीता है। इसे निम्नलिखित सूत्र के माध्यम से अधिक स्पष्ट किया जा सकता हैं –

पश्चिम के विकासवादी दर्शन का केंद्र मुनाफा, स्वार्थ एवं लाभ है। परंतु, हिंदू आर्थिक चिंतन के आधार पर खड़े एकात्म मानववाद का आधार अथवा केंद्र परमार्थ है। इसलिए एकात्म मानववादी आर्थिक विकास में विकास केवल अर्थ के लिए नहीं वरन परमार्थ के लिए है। हिंदू आर्थिक दर्शन परम्परा में विकास की अवधारणा को समग्रता में व्यक्त किया गया है। यह विकास त्रिगुण आधारित है। इस त्रिगुण में – सत, रज एवं तम सम्मिलित है। प्राचीन भारतीय चिंतन में सत्तवादी विकास श्रेष्ठ माना गया है। इस सत्तवादी विकास के तत्व हैं ज्ञान, तपस्या, सदकर्म, प्रेम एवं समत्वभाव तथा इसकी उपस्थिति सतयुग में मानी गई है। विकास का दूसरा स्वरूप रजस को माना गया। इस रजसवादी विकास के तत्व हैं अहंबुद्धि, प्रतिष्ठा, मानबढ़ाई, लौकिक, पारलौकिक सुखा मत्सर, दम्भ एवं लोभ तथा इसकी उपस्थिति त्रेतायुग में मानी गई है। इसे मानवीय और मध्यम माना गया है। इसी प्रकार, विकास का तीसरा स्वरूप तमस को माना गया है। इस तमसवादी विकास के तत्व हैं असत्य, माया, कपट, आलस्य, निंदा, हिंसा, विषाद, शोक, मोह, भय तथा इसकी उपस्थिति कलयुग में मानी गई है। इस प्रकार सत, रज एवं तम गुणों के आधार पर उक्त विकास के तीन रूपों के साथ एक मिश्रित विकास का भी मॉडल माना गया है, जिसमें रजस एवं तमस गुण मिले होते हैं और इस मॉडल की उपस्थिति द्वापर युग में मानी गई है।

इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा में विकास के उक्त चार प्रारूप माने गए हैं। इन चारों प्रारूपों का उपयोग चार युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग एवं कलियुग में होता पाया गया है। इसमें सबसे उत्तम सतयुगी विकास प्रारूप को माना गया है तथा सबसे अधम कलियुगी विकास प्रारूप को माना गया है। भारत में, वर्तमान खंडकाल में त्रेतायुग के रामराज्य को भी बहुत अच्छा माना गया है एवं इसके स्थापना की कल्पना की जाती रही है। पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय ने महात्मा गांधी जी के ट्रस्टी शिप एवं हिंद स्वराज्य के विवेचन को भी अपने विमर्श में स्थान दिया है। इस प्रकार भारतीय चिंतन परम्परा का आदर्श रामराज्य है, इसमें भरत जैसे राजा एवं जनक जैसे राजा तपस्वी के रूप में राज्य करते थे। स्वयं श्रीराम धर्म की मर्यादा को अपने लिए भी लागू करते थे एवं धर्म की मर्यादा का कभी भी उल्लंघन नहीं करते थे। सदैव प्रजा एवं प्रकृति की रक्षा एवं संवर्धन करते रहते हैं। यह एक ऐसा विकास का प्रारूप है जो आज भी आदर्श है। रामराज्य की अवधारणा भी एकात्म मानववाद के आधारों पर खड़ी थी। यह शासन तथा विकास एवं व्यवस्था में सब की भागीदारी तथा सब के लिए व्यवस्था थी, जो प्रकृति आधारित विकास पर बल देती थी।

भारत में सबसे छोटी इकाई व्यक्ति पर बल दिया गया है और उसका संगठन किया गया है। भारत में व्यक्ति के स्वरूप को जिस प्रकार संगठित और एकात्म किया गया वैसा पश्चिम में नहीं हो सका है। पश्चिम में केवल भौतिक प्रगति पर ही बल दिया गया है। पूरे विश्व में आज सर्वाधिक विकसित राष्ट्र अमेरिका को माना जाता है। अमेरिका में नागरिकों की भौतिक प्रगति तो बहुत हो गई है, परंतु अमेरिका के नागरिकों में सुख, संतोष और समाधान का पूर्णतया अभाव है। अमेरिका में व्यक्ति के जीवन में परस्पर विरोध, असमाधान, असंतोष, सर्वाधिक अपराध और आत्महत्याएं बहुत बड़ी मात्रा में व्याप्त हैं। अमेरिकी नागरिकों में तीव्र रक्तचाप, हृदय रोग एवं अपराध की प्रवृत्ति बहुत अधिक मात्रा में पाई जा रही है। पूरे विश्व को प्रभावित करने की क्षमता रखने वाला अमेरिका अपने नागरिकों के लिए भौतिक समाधान से आगे बढ़कर मानसिक समाधान प्राप्त नहीं कर सका है। इस धरा पर जन्म लेने के बाद प्रत्येक व्यक्ति का अंतिम लक्ष्य आखिर है क्या? सम्भवतः सुख जो चिरंतन एवं घनीभूत हो। इतनी भौतिक प्रगति करने के बाद भी अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के नागरिकों में समाधान व सुख का अभाव है। ईसा ने कहा था कि 'सम्पूर्ण संसार का साम्राज्य भी प्राप्त कर लिया और यदि आत्मा का सुख खो दिया तो उससे क्या लाभ?'

भारत में छोटी से छोटी इकाई व्यक्ति संगठित और एकात्म है एवं व्यक्ति को खंडो में विभक्त समझने की बुद्धिमता प्रदर्शित नहीं की गई है। परंतु, अमेरिका के एक मनोवैज्ञानिक ने वर्णन किया है कि 'सड़कों पर एक ऐसी बड़ी भीड़ हमेशा लगी रहती है जो आत्मविहीन, मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ, एक दूसरे से अपरिचित और निःसंग स्थिति में है। उनका अपने ही साथ समन्वय नहीं तो दुनिया के साथ क्या होगा? व्यक्ति का समाज के साथ समन्वय नहीं। व्यक्ति भी संगठित और एकात्म इकाई नहीं। केवल भौतिक स्तर पर विचार करने के कारण वहां व्यक्ति को भौतिक एवं आर्थिक प्राणी माना गया है। यदि भौतिक आर्थिक उत्कर्ष मानव को मिले तो उससे सुख की प्राप्ति होगी, यह माना गया। किंतु भौतिक आर्थिक उत्कर्ष की चरम सीमा होने पर भी सुख का अभाव है और इसका कारण यही है कि वहां खंड खंड में विचार करने की प्रणाली है, जिसमें व्यक्ति को केवल भौतिक आर्थिक प्राणी मान लिया गया है और व्यक्ति के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर संगठित एवं एकात्म रूप में विचार नहीं किया गया है।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में यह माना गया है कि मनुष्य एक आर्थिक प्राणी भी है एवं 'आहार, निद्रा, भय, मैथुन, आर्थिक आवश्यकताओं, आदि' की तृप्ति की बात भारत में भी कही गई है। इन जरूरतों की पूर्ति होना चाहिए, इस तथ्य को भी स्वीकार किया गया है। किंतु भारत में मनुष्य को आर्थिक प्राणी से कुछ ऊपर भी माना गया है। मनुष्य आर्थिक प्राणी के साथ साथ वह एक शरीरधारी, मनोवौज्ञानिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक प्राणी भी है। भारतीय मनुष्य के व्यक्तित्व के अनेकानेक पहलू है। अतः यदि सम्पूर्ण व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का संगठित और एकात्म रूप से विचार नहीं हुआ तो उसको सुख समाधान की अवस्था प्राप्त नहीं हो सकती। इसलिए भारत में इस दृष्टि से संगठित एवं एकात्म स्वरूप का विचार हुआ है। मनुष्य की आर्थिक एवं भौतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर यह कहा गया है कि इन वासनाओं की तृप्ति होनी चाहिए लेकिन साथ ही यह भी कहा गया है कि इन आवश्यकताओं पर कुछ वांछनीय मर्यादा होना भी आवश्यक है। गीता के तृतीय अध्याय के 42वें श्लोक में कहा गया है कि इंद्रियां (विषयों से) ऊपर स्थित हैं, इंद्रियों से मन उत्कृष्ट है। बुद्धि मन से भी ऊपर अवस्थित है, जो बुद्धि की अपेक्षा भी उत्कृष्ट है और उससे भी अगम्य है – वही आत्मा है। अतः काम को स्वीकार करने के उपरांत भी उसे अनियत्रिंत नहीं रहने दिया गया है। काम की पूर्ति धर्म के विरुद्ध नहीं होनी चाहिए, ऐसा भारतीय शास्त्रों में कहा गया है।

प्राचीन भारत में अर्थ के महत्व को भी स्वीकार किया गया है एवं अर्थशास्त्र की रचना भी हुई है। यह माना जाता रहा है कि राज्य के समस्त नागरिकों की भौतिक आवश्यकताओं की पर्याप्त पूर्ति होनी चाहिए ताकि इसके अभाव में अपना पेट पालने के लिए व्यक्ति को 24 घंटे चिंता करने की आवश्यकता नहीं पड़े। राज्य के नागरिकों को पर्याप्त अवकाश मिल सके, जिससे वह संस्कृति, कला, साहित्य और भगवान आदि के बारे में चिन्तनशील हो सके। इस प्रकार अर्थ और काम को मान्यता देकर साथ ही यह भी कहा गया है कि एक व्यक्ति का अर्थ और काम उसके विनाश का अथवा समाज के विघटन का कारण न बने। इस दृष्टि से भारत के प्राचीन दृष्टाओं ने विशिष्ट दर्शन दिया था। उसमें विश्व की धारणा के लिए शाश्वत नियम और सार्वजनिक नियम देखे थे, उनका दर्शन किया था। व्यक्ति को विनाश से बचाने के लिए, समाज को विघटन से बचाने के लिए एवं व्यक्ति के परम उत्कर्ष को प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक एवं सार्वदेशिक नियमों के प्रकाश में जो अवस्था उन्होंने बनायी उसके समुच्चय को धर्म कहा गया। इस धर्म के अंतर्गत अर्थ और काम की पूर्ति का भी विचार हुआ। साथ ही, प्रत्येक व्यक्ति परम सुख यानी मोक्ष प्राप्त कर सके, इसका चिंतन भी हुआ। इस प्रकार धर्म और मोक्ष के मध्य अर्थ और काम को रखते हुए चतुर्विध पुरुषार्थ की कल्पना भारत में ही की गई है। इस समन्वयात्मक, संगठित और एकात्मवादी कल्पना में व्यक्ति का व्यक्तित्व विभक्त नहीं हुआ। यह आत्मविहीन एवं मानसिक दृष्टि से अस्वस्थ प्राणी न बन सका। इस चतुर्विध पुरुषार्थ ने प्रत्येक व्यक्ति को अपनी शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक बौद्धिक क्षमताओं के अनुसार अपना जीवनादर्शन चुनने का अवसर दे दिया और साथ ही व्यक्तित्व को अखंड बनाए रखा। यह स्मरण रखना चाहिए कि जहां व्यक्ति के व्यक्तित्व रूपी विभिन्न पहलू संगठित नहीं है या व्यक्ति संगठित नहीं है, वहां समाज संगठित कैसे हो सकता है? इस संगठित आधार पर ही भारत में व्यक्ति से परिवार, समाज, राष्ट्र, मानवता और चराचर सृष्टि का विचार किया गया। एकात्म मानवदर्शन इसी का नाम है और आज भारत में आर्थिक विकास को एकात्म मानववाद के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए ही गति दी जानी चाहिए।

इंजरी के बाद भी शूटिंग करती रहीं नोरा फतेही

एक्ट्रेस बोलीं– साउथ में सात साल के बाद एक्टिंग का मौका, दर्द की परवाह नहीं की

नोरा फतेही तेलुगु फिल्मों के स्टार वरुण तेज के साथ फिल्म 'मटका' में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें इंजरी हो गई थी। इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग की, क्योंकि तेलुगु फिल्मों में एक्टिंग करने का मौका उन्हें सात साल के बाद मिला है। यह फिल्म तेलुगु के साथ–साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में एक साथ रिलीज हो रही है।

नोरा फतेही से बातचीत के प्रमुख अंश पढ़िए..

फिल्म में किरदार के बारे में कुछ बताएं?

मैं सोफिया का किरदार निभा रही हूं। जो एक कैबरे डांसर है। जब वो वासु की जिंदगी में एंट्री करती है तो बहुत सारी चीजें बदल जाती हैं। इस फिल्म में वासु की भूमिका वरुण तेज निभा रहे हैं। इस फिल्म में मेरा लुक बहुत ही अलग है।

फिल्म की शूटिंग के दौरान सबसे मुश्किल क्या था?

इस फिल्म में मेरे लिए सबसे ज्यादा मुश्किल तेलुगु में बात करना था। फिल्म के डायरेक्टर ने मेरे किरदार और भाषा पर बहुत मेहनत की। पहले दिन का शूट वरुण के साथ था। डायलॉग इतने लंबे थे कि मैं रात भर सो नहीं सकी। रात भर यह सोचकर परेशान थी कि इतने लंबे डायलॉग्स कैसे बोल पाऊंगी। मुझे लग रहा था कि पागल हो जाऊंगी। जब सेट पर पहुंची तो वरुण ने मुझे बहुत ही सहज फील कराया।

वरुण तेज ने तेलुगु सीखने में आपकी कितनी मदद की थी?

थोड़ी बहुत उन्होंने मदद जरूर की थी। मैंने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की है। फिल्म में मेरे किरदार की एंट्री एक सॉन्ग से होती है। उस सॉन्ग की शूटिंग के दौरान इंजरी हो गई थी, लेकिन फिल्म की शूटिंग पांच दिन में खत्म करनी थी। इसलिए मैंने दर्द की परवाह किए बगैर फिल्म के गाने की शूटिंग की। उसके बाद मैंने एक महीने तक किसी भी फिल्म की शूटिंग नहीं की थी। एक एक्टर के रूप में काम करना मेरे लिए इस फिल्म में एक अलग जर्नी रही है।

जब यह फिल्म आपको ऑफर हुई तब इस फिल्म को लेकर क्या रिएक्शन थे?

मैं बहुत खुश थी। मैं सात साल से तेलुगु इंडस्ट्री में काम कर रही हूं। कई गानों पर परफॉर्म कर चुकी हूं। पहली बार जूनियर एनटीआर की फिल्म 'टेम्पर' में सॉन्ग पर परफॉर्म किया था। वरुण तेज की भी फिल्म में सॉन्ग कर चुकी हूं। तभी मैंने वरुण से कहा था कि सिर्फ इसलिए गाना कर रही हूं, क्योंकि मुझे एक्टिंग करनी है। आज देखिए उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिला।

इंडस्ट्री में आने से पहले आपकी क्या तैयारियां थीं?

मैंने कोई तैयारी नहीं की थी। मुझे लगा था कि मुंबई पहुंचते ही स्टार बन जाऊंगी। मैंने कपड़े पैक किए और मुंबई आ गई। यहां आने के बाद पता चला कि बहुत कुछ सीखनी है। मुझे हिंदी भाषा नहीं आती थी। हिंदी मेरे लिए विदेशी भाषा थी। सबसे पहले हिंदी सीखी और खुद को परफॉर्मर के तौर पर तैयार किया।

किस एक्ट्रेस से आप इंस्पायर रही हैं?

मैंने बॉलीवुड में कभी काम करने के बारे में सोचा ही नहीं था। इंडस्ट्री में आने से पहले मैंने 'देवदास' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी फिल्में देखी थी। मेरे दिमाग में यही बात चलती थी कि सिर्फ इंडियन लड़कियां ही बॉलीवुड में एक्ट्रेस बन सकती हैं। जब मैंने कैटरीना कैफ और जैकलीन फर्नांडिस को यहां काम करते देखा, तब मुझे लगा कि मुमकिन है कि मैं भी कर सकती हूं। फिर मैंने बहुत सारे ऑडिशन देने शुरू किए।

शुरुआत में किस तरह के अनुभव रहे?

मैंने बहुत सारे ऑडिशन दिए। भाषा को लेकर लोग खूब मजाक उड़ाते थे। सबसे पहले मैंने अपने और भाषा के ऊपर बहुत मेहनत की। इस इंडस्ट्री ने मुझे बहुत दिया है। अब तक मुझे यह समझ में आया है कि अपनी मेहनत से कोई भी आगे बढ़ सकता है। इंडस्ट्री के दरवाजे सबके लिए खुले हैं।

जब आप पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या बातें याद आती हैं?

छोटे–छोटे रोल्स करके यहां तक पहुंची हूं। मैं लोगों से कहती थी कि मेरे बारे में भी सोचे। यह कहने से पहले कई बार सोचती थी कि कैसे कहूं। 'दिलबर' गाने के बाद सबको लगता था कि सिर्फ सॉन्ग ही कर सकती है, लेकिन मुझे एक्टिंग करनी थी। मुझे ऐसा लग रहा था कि गाने में टाइपकास्ट होती जा रही हूं। मैंने ऑडिशन देने शुरू किए। कुणाल खेमू ने मुझे 'मडगांव एक्सप्रेस' में मौका दिया।

आपकी सादगी का लोगों ने फायदा भी बहुत उठाया, काम कराके पैसे भी नहीं दिए?

'दिलबर' के अलावा भी मैंने बहुत सारे गाने फ्री में किए हैं। उस समय पैसे कमाना मेरा उद्देश्य नहीं था। पैसे कमाने के लिए फिल्म इंडस्ट्री में नहीं आई थी। पैसे कमाने के लिए तो और भी बहुत सारे काम हैं। मुझे इंडस्ट्री में खुद को प्रूव करना था। इसलिए पैसे की डिमांड नहीं की। इंडस्ट्री में लोगों के पास बहुत सारे ऑप्शन हैं। मैं नहीं तो कोई और करेगा। मेरे लिए सबसे बड़ी बात थी, मौका मिलना। फिल्म इंडस्ट्री में खुद को प्रूव करने के लिए समझौते करने पड़ते हैं। इसमें कुछ गलत भी नहीं मानती हूं।

1 लाख की ड्रेस में तमन्ना भाटिया ने काटा गदर, फैंस बोले – ब्लैक कैट

तमन्ना भाटिया ब्लैक कलर की आउटफिट में बेहद स्टनिंग लग रहीं हैं और उनका स्टाइल भी काफी...

दिशा पाटनी का ये अंदाज चुरा लेगा दिल, हर अदा में दिखा गजब का जादू

दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और हाल ही में दिशा ने अपनी कई तस्वीरें फैंस के साथ शेयर...

अमीषा पटेल की डेब्यू फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी.इसके बाद भी उन्होंने कई हिट फिल्में दीं लेकिन करियर के पीक पर एक शादीशुदा मर्द संग इश्क करना एक्ट्रेस को भारी पड़ गया और फिर उनका करियर बर्बाद हो गया. अमीषा पटेल की डेब्यू फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी.इसके बाद भी उन्होंने कई हिट फिल्में दीं लेकिन करियर के पीक पर एक शादीशुदा मर्द संग इश्क करना एक्ट्रेस को भारी पड़ गया और फिर उनका करियर बर्बाद हो गया. गदर 2 एक्ट्रेस अमीषा पटेल अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही हैं. फिलहाल एक्ट्रेस के इन दिनों करोड़पति बिजनेसमैन निर्वाण बिरला संग अफेयर के रूमर्स फैले हुए हैं. एक्ट्रेस ने निर्वाण संग अपनी कोजी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर शेयर की है. इन सबके बीच बता दें कि अमीषा कभी एक शादीशुदा डायरेक्टर से दिल लगा बैठी थीं. इश्क में फना हुईं अमीषा इस वजह से अपने अच्छे–खासे करियर को बर्बाद कर बैठी थीं. बता दें कि अमीषा पटेल शादीशुदा डायरेक्टर विक्रम भट्ट से मोहब्बत कर बैठी थीं. हालांकि इनका रिश्ता कुछ सालों बाद टूट भी गया था. अमीषा पटेल ने एक इंटरव्यू में खुद कहा था कि विक्रम भट्ट संग अपने रिश्ते के बारे में पब्लिकली बात करने से उनका करियर बर्बाद हो गया था. एक्ट्रेस ने कहा था कि इस वजह से वह एक दशक से ज्यादा समय तक श्आदमियों से दूर रहींश थीं. बता दें कि ब्रेकअप से पहले अमीषा और विक्रम ने कई सालों तक डेट किया था. बता दें कि पहले विक्रम भट्ट सुष्मिता सेन संग रिलेशनशिप में थे. लेकिन सुष्मिता से ब्रेकअप के तुरंत बाद, फिल्म मेकर ने कथित तौर पर अमीषा पटेल को डेट करना शुरू कर दिया था. उन्होंने कथित तौर पर अनकही (2006) पर काम करने के दौरान डेटिंग शुरू की. बताया जाता है कि विक्रम की फिल्म 1920 (2008) की रिलीज से पहले ही इनका ब्रेकअप हो गया था. वहीं अमीषा ने बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में विक्रम भट्ट संग अपने रिश्ते पर बात की थी. उन्होंने कहा था, ष्इस इंडस्ट्री में ईमानदारी का स्वागत नहीं है और मैं उनमें से हूं, जो बहुत ईमानदार है. मैं उनमें से हूं जो अपने दिल की बात कहती है. मुझे लगता है कि ये मेरी लाइफ में मेरे लिए सबसे बड़ी कमी रही है." एक्ट्रेस ने आगे कहा था, "केवल दो रिश्तों को मैंने पब्लिकली एक्सेप्ट किया था, उन्होंने मेरे करियर पर असर डाला और फिर 12–13 सालों तक मैंने अपनी लाइफ में किसी को नहीं आने दिया. अब मैं अपनी लाइफ में सिर्फ सुकून चाहती हूं.ष अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर पड़े इसके असर के बारे में बात करते हुए अमीषा ने कहा था, ष्एक लड़की सिंगल स्टेट्स हमेशा उन लोगों के लिए काफी अट्रैक्टिव होता है जिनके साथ आप काम करते हैं।

श्रुति हासन अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रुति हासन ने बताया कि फिल्मी परिवार में जन्म लेना अक्सर मुश्किल होता है, खासकर तब जब आपके पिता बड़े स्टार हों। एक्ट्रेस की मानें तो उन्होंने कई बार अपनी पहचान छिपाने की कोशिश भी की। हालांकि, बाद में उन्हें यह समझ में आ गया कि पिता कमल हासन के बिना वह खुद को नहीं सोच सकतीं। मदन गौरी से बातचीत में श्रुति हासन ने कहा, श्लोग हमेशा मुझसे मेरे पिता के बारे में सवाल करते थे। ऐसा एक–दो बार नहीं, बल्कि कई बार होता था। मुझे लगता था कि मैं श्रुति हूं, मुझे अपनी पहचान चाहिए। लोग मुझे देखकर कहते थे यह तो कमल हासन की बेटी है। अगर कोई मुझसे पूछता, तो मैं कहती, नहीं, मेरे पिता डॉ. रामचंद्रन हैं, जो हमारे डेंटिस्ट का नाम था। मेरा नाम पूजा रामचंद्रन है। यह नाम मैंने खुद चुना था। श्रुति हासन ने कहा, श्यह सिर्फ इस कारण नहीं था कि मेरे पिता एक एक्टर या फिर फेमस इंसान हैं, बल्कि बचपन से ही मुझे यह महसूस होता था कि वह बाकी सभी से अलग हैं। मुझे और मेरी बहन को बहुत जिद्दी लोगों ने पाला था, और यह हमारी आदत बन गई। जब मेरे माता–पिता अलग हुए, तो मैं मुंबई चली गई।

आलिया भट्ट को पपराजी ने एयरपोर्ट पर किया स्पॉट, कुछ ऐसा था एक्ट्रेस का लुक

आलिया भट्ट एयरपोर्ट पर व्हाइट प्रिंटेड शर्ट और व्हाइट लोअर में काफी कूल लुक में स्पॉट हुईं, यहां...

माइक्रोवेव को साफ करने का सबसे बेस्ट तरीका ये रहा, जिद्दी दाग के साथ बदबू भी होगी दूर

हर भारतीय किचन में माइक्रोवेव का प्रयोग बहुत किया जाता है। कुकिंग से लेकर बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करने में कई बार माइक्रोवेव का इस्तेमाल होता है। जिस कारण बहुत तेजी से इसमें जिद्दी दाग, बदबू और चिकनाहट पैदा हो जाती है। जिसे साफ करना महिलाओं के लिए थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे

में आप इसे साफ करने के लिए कुछ ट्रिक्स को अपना सकती है। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

सोडा और पानी

पानी और बेकिंग सोडा सबसे पहले तो एक साथ मिक्स करें। जिसमें सोड़े की मात्रा ज्यादा होनी चाहिए। एकदम गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। अब जहां–जहां दाल, सब्जी चिपका हुआ है वहां–वहां इसे लगाकर 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पहले गीले कपड़े से फिर साफ कपड़े से पोंछ लें। सारे जिद्दी दाग आसानी से निकल जाएंगे।

विनेगर

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए आप सिरका और पानी की मदद ले सकते हैं। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में इनका घोल डालें और माइक्रोवेव में अंदर स्प्रे कर लें। इसके बाद इसे करीब 4 मिनट के लिए चलाकर वाइप करें। ऐसा करने से माइक्रोवेव साफ हो जाएगा।

नींबू

माइक्रोवेव को साफ करने के लिए सबसे पहले नींबू के दो टुकड़े कर लें। इसके बाद माइक्रोवेव प्लेट पर नींबू को उल्टा करके रखें। अब इस प्लेट पर साथ–साथ 1 चम्मच पानी भी डाल दें और माइक्रोवेव को 1 मिनट के लिए चला दें। एक मिनट बाद जब माइक्रोवेव बंद हो जाए तो साफ कपड़े से पोछ लें।

पेपर टॉवल

इसके लिए आप 3 से 4 पेपर टॉवल को हल्का गीला करें और इसे माइक्रोवेव में रखें। अब माइक्रोवेव ऑन कर दें और करीब 3 से 5 मिनट तक हाई हीट पर चलाएं। ऐसा करने से माइक्रोवेव के अंदर लगा दाग आदि साफ हो जाएगा।

नहाने के बाद कभी न रखे बाथरूम में खाली बाल्टी, वरना जेब में नहीं बचेगी एक भी फूटी कोड़ी

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। इसका प्रभाव न केवल मन और मानव शरीर पर पड़ता है बल्कि घर में रखी हर एक चीज पर भी पड़ता है। दरअसल वास्तु में ऐसे नियम बताए गए हैं जिनको अपनाकर व्यक्ति अपना जीवन सुखी, सरल और संपन्न बना सकता है। लेकिन वास्तु का पालन न करने वाले

लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आपको बता दें घर के कमरे से लेकर किचन व बाथरूम तक हर एक चीज में वास्तु का विशेष संबंध है। ऐसे ही बाथरूम में रखी बाल्टी भी यदि सही तरीके से न रखी गई हो तो यह दुख का कारण बन सकता है। तो चलिए जानते है बाथरूम में रखी बाल्टी से जुड़े वास्तु के नियम के बारे में।

न रखें खाली बाल्टी

घर में कई बार हम नहाने या कपड़े धोने के बाद बाल्टी खाली करके बाथरूम में रख देते हैं जिसे वास्तु में अशुभ माना जाता है। वास्तु का कहना है कि अगर आप बाथरूम में बाल्टी खाली रखते है तो ऐसा करने से घर में पैसों की तंगी होने लगती हैं व व्यक्ति आर्थिक परेशानियों से भी जूझने लगता है इसलिए हमेशा नहाने व कपड़े धोने के बाद बाल्टी को साफ करके पानी से भरकर रखना चाहिए। इससे आपके जीवन में धन की कभी कमी नहीं होगी।

इस रंग की बाल्टी न रखें

वहीं दूसरी ओर वास्तु में यह मानयता है कि बाथरूम में कभी भी काले रंग की बाल्टी नहीं रखनी चाहिए। काली बाल्टी घर में कष्टों का कारण बन सकती हैं। वास्तु के मुताबिक नीला रंग शनि और राहु के अशुभ प्रभाव को कम करता है। इसलिए बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी रखनी चाहिए। उनका कहना है कि नीले रंग की बाल्टी बाथरूम में रखना शुभ माना जाता है। इसके अलावा बाथरूम में नीले रंग की टाइल्स ही लगवानी चाहिए।

बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी और यमी पनीर रोल, टिफिन के लिए है एकदम परफेक्ट रेसिपी

पनीर रोल एक ऐसी फूड डिश है जिसे बच्चे बड़े चाव से खाते है। ये खाने में जितनी टेस्टी लगती है इसे बनाना उतना ही आसान है। सुबह का वक्त सभी के लिए काफी व्यस्तता से भरा होता है, ऐसे में कई बार ऐसी नौबत भी आ जाती है जब ब्रेकफास्ट बनाने के लिए ज्यादा वक्त नहीं बचता। ऐसी सूरत में पनीर रोल बनाना बेस्ट ऑप्शन है तो चलिए जानते है इसे बनाने की रेसिपी।

सामग्री

गेंहू का आटा – 3 कप
पनीर – 200 ग्राम (टुकड़ों में कटे हुए)
शिमला मिर्च – 1 (टुकड़ों में कटी हुई)
प्याज – 1 (बारीक कटा हुआ)
टमाटर – 1
मटर –आधा कप
जीरा – आधा चम्मच
नमक –स्वादानुसार
तेल – आवश्यकतानुसार
हल्दी – आधा चम्मच
केचप– स्वादानुसार
चिली सॉस –स्वादानुसार
धनिया पत्ते –मुट्ठीभर
गरम मसाला –आधा चम्मच
खीरे और प्याज के टुकड़े– पतले कटे हुए

बनाने की विधि

1 पनीर रोल बनाने के लिए सबसे पहले गेहूं के आटे को अच्छे से गूंथ लें।

2 फिर कड़ाही में 2 चम्मच तेल डालें और तेल गर्म होने के बाद उसमें जीरा डालें।

3 अब उसमें टमाटर और प्याज डालकर थोड़ी देर भून लें।

4 इस मिश्रण में फिर सब्जियां, गरम मसाला, हल्दी के साथ नमक डालें और ढककर थोड़ी देर पकाएं।

5 इसके बाद इसमें पनीर के टुकड़ों को मिलाएं और बीच–बीच में कड़छी चलाते रहें।

6 अब गैस बंद करके ऊपर से धनिया पत्ता डालकर एक बार फिर मिलाएं।

7 इसके बाद गूंथे हुए आटे की रोटी बना लें।

8 इसमें केचप और टोमेटो सॉस लगा लें और पनीर के मिश्रण को डाल दें।

9 इसके ऊपर फिर खीरा डालकर रोटी रोल कर लें।

10 लीजिए तैयार है आपकी पनीर रोल की रेसिपी।

पति–पत्नी में होती है रोज लड़ाई, तो ये उपाय दूर करेंगे आपकी हर समस्या

शादी के बाद हर लड़का और लड़की की जिंदगी बदल जाती है। इस रिश्ते में कभी एक पल प्यार तो कभी एक पल में तकरार होने लगती है। आपने कई लोगों के मुंह से एक बात जरूर सुनी होगी कि श्शादी का लड्डू जो खाए सो पछताए, जो ना खाए वो भी पछताएश। लेकिन कभी–कभी किन्ही कारणों से शादीशुदा जिंदगी में मधुरता खत्म होने लगती है। ऐसी स्थिति में सेपरेशन का खतरा बढ़ जाता है। इसके लिए समय से पूर्व ही उपाय करना फायदेमंद होता है। वास्तु शास्त्र में पति–पत्नी के रिश्ते को मध ुर बनाने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इन उपायों को करने से रिश्ते मधुर हो जाते हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

इन आसान उपायों से रिश्ते करें मधुर

1 पति–पत्नी में हमेशा खटपट रहती है तो आपको महादेव और माता पार्वती की नियमित रूप से पूजा करनी चाहिए। ध्यान रहे पूजा के समय घी का दीपक जलाकर अपने रिश्ते को मधुर बनाने की भगवान से कामना करें। ऐसा करने से आपस में जो झगड़े होते है वो दूर हो जाएगे। कोशिश करें की शिव चालीसा का पाठ जरुर पढ़ें।

2 अपने रिश्ते को ठीक करने के लिए शुक्रवार के दिन मंदिर जाकर मां लक्ष्मी को गुलाब का फूल और श्रृंगार का सामान अर्पित करें। इसके साथ मां को सफेद रंग की मिठाई भी भेंट करें। ऐसा करने से आपके रिश्ते मधुर हो जाएगे। क्योंकि शुक्रवार का दिन मां दुर्गा और लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस लिए सच्चे मन से मंदिर जाकर यह उपाय करने से आपको सफलता जरूर हासिल होगी।

3 तीसरे उपाय में आप रिश्ते को मजबूत करने के लिए गुरुवार के दिन हल्दी की गाठों को पीले रंग के कपड़े में बांध दें। इसके पश्चात हाथ में रख श्ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमःश मंत्र का जाप करें। अब हल्दी भगवान विष्णु को अर्पित कर दें। ऐसा करने से आपके रिश्ते में जो बिना वजह के खटपट होती है वह दूर हो जाएगी।

सोते समय जरुर रखें सिरहाने पर कपूर

4 अगर पति–पत्नी के बीच लंबे समय से अनबन है, तो रोजाना रात में सोते समय सिरहाने पर कपूर रखें। आप चाहे तो तकिए के नीचे भी कपूर रख सकते हैं। अगली सुबह कपूर को जला दें। इस उपाय को करने से रिश्ते मधुर होते हैं।

5 ध्यान रहे विवाहित महिलाओं को वायव्य कोण में नहीं सोना चाहिए। इस दिशा में सोने से वैवाहिक जीवन में परेशानी आती है। साथ ही धन के देवता कुबेर भी अप्रसन्न हो जाते हैं।

6 वास्तु का कहना है कि तो बेड पर पति को दाएं तरफ और पत्नी को बाएं तरफ सोना चाहिए। इससे रिश्ते मधुर रहते हैं।

बच्चा बनेगा बेहतर और सफल इंसान, बस पेरेंट्स अपनाएं ये गोल्डन रूल्स

बच्चों को बेहतर इंसान बनाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत होती है। जिससे आपके बच्चे सामाजिक रूप में ढल सकें और एक बेहतर इंसान बनकर निकलें। इसलिए आज हम आपके लिए ऐसे गोल्डन रूल्स और टिप्स लेकर आए है। जिनकी मदद से आप बच्चों को एक बेहतर और सफल इंसान बना सकते हैं। इन टिप्स को अपनाने के बाद ना तो आपके बच्चे बात–बात में जिद करेंगे और ना ही ऐसा होगा कि वो आपकी बात ना सुनें।

बच्चों को चीजों की वैल्यू समझाएं

बच्चों को सुख सुविधाएं देना हर माता पिता की जिम्मेदारी होती है लेकिन आप इसे थोड़ा लिमिट में करें। क्योंकि अगर आप बच्चों की हर इच्छा पूरी कर देते है। उसे बोलेने के पहले ही चीज या कोई वास्तु लाकर दे देते है। ऐसा करने से बच्चा बिगगड़ जाता है। मान लीजिए आपका बच्चा नौकी क्लास में पड़ता है। दूसरे बच्चों को देखकर उसने आपसे आईफोन की मांग की है। अगर आप उसकी यह मांग पूरी कर देते है। तो यह ठीक नहीं है। यह आपका बच्चे के प्रति प्यार नहीं फैशन और स्टेटस सिंबल है। इससे बच्चे चीजों की वैल्यू करना बंद कर देंगें, वो मेहनत से दूर भागेंगे क्योंकि आपने उनके लिए एक शॉर्टकट पहले से ही तैयार कर रखा है। सोचिए अगर आप अपने बच्चों को महंगे फोन अभी से देने लगे तो वो पहली सैलरी की वैल्यू कभी समझ ही नहीं पाएंगे। कई मामलों में ऐसे बच्चे मेहनती नहीं बन पाते और ये हमेशा याद रखिए कि अगर बच्चा मेहनत से दूर भागेगा तो आपका बच्चा सफल नहीं बन पाएगा।

बच्चों से हरअपडेट लें

जब भी आप काम से घर आते है थोड़ी रेस्ट करने के बाद एक घंटा अपने बच्चों के साथ बिताएं। उनके साथ मिल्क शेक, मैंगो शेक या बनाना शेक का एक–एक गिलास लेकर कहीं शांति की जगह पर बैठ जाएं। फिर उनसे माता–पिता जैसे नहीं बल्कि एक दोस्त जैसे बात करें। उनसे पूछें कि उनकी क्लास में क्या चल रहा है, उनकी पढ़ाई में उन्हें कोई दिक्कत तो नहीं। उन्हें भरोसा दिलाएं कि आप उनके साथ उनकी परेशानी हल करने के लिए बैठे हैं ना कि उन्हें डांटने या जासूसी करने के लिए। अगर शुरुआत में बच्चा आपको कुछ भी बताने में झिझक रहा है तो उससे जिद ना करें। उस बात को वहीं छोड़ दें और अपनी बातें बच्चे से शेयर करें। ऐसा करने से बच्चे ध ीरे–धीरे आपको दोस्त मानने लगेंगे और आपके अपने दिल की बात कहेंगे।

गलतियों का एहसास कराएं

बच्चों की गलतियों को बच्चा समझ कभी न टाले, ऐसा करने से उन्हें और बढ़ावा मिलेगा। अगर बच्चा गाली सीख रहा है और उसे रिपीट भी कर रहा है तो उसे फौरन टोकिए और टोकने का तरीका ऐसा रखें कि बच्चे को बेईज्जती जैसा महसूस ना हो। अगर बच्चा पब्लिक प्लेस में ऐसा कर रहा है तो उसे घर आकर समझाइए और अगर घर पर ऐसा कर रहा है तो किसी एकांत सी जगह पर ले जाकर उसे इस गलती के बारे में बताइए।

अपनी सेहत का ख्याल रखें

माता–पिता बच्चों के चक्कर में अपना अच्छे से ख्याल रखना भूल जाते है। अगर आपकी सेहत ठीक नहीं रहेगी तो इससे बच्चे की परवरिश पर भी असर पड़ेगा। सेहत का ठीक ना होना कहीं ना कहीं चिड़चिड़ेपन और उलझन को जन्म देता है। इससे आपके अंदर गुस्सा भी जन्म ले सकता है जिसका सबसे ज्यादा असर बच्चे पर पड़ सकता है।

संक्षिप्त

सर्वेक्षणरू नवंबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां तीन माह के शीर्ष पर, सेवा उद्योग में सुधार और रिकश्वर्ड रोजगार

नई दिल्ली। सेवा उद्योग में सुधार और रिकॉर्ड रोजगार पैदा होने से नवंबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां तीन माह के शीर्ष पर पहुंच गई। हालांकि, उत्पादन महंगाई 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के अनुसार, चालू त्योहारी तिमाही में आर्थिक विकास में आगे भी वृद्धि होने की संभावना है। इसमें निजी खपत में उछाल के कारण तेजी आने की उम्मीद है। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, एचएसबीसी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्तूबर में 59.1 रहा। नवंबर में बढ़कर 59.2 रहा। पीएमआई में 50 से नीचे का स्तर कारोबार में कमजोरी दर्शाता है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवाओं में वृद्धि व विनिर्माण में मामूली मंदी के बावजूद कारोबारी गतिविधियों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

सेवा क्षेत्र का पीएमआई नवंबर में 59.2 पर रहा

सेवा क्षेत्र का पीएमआई बढ़कर नवंबर में 59.2 हो गया। अगस्त के बाद से सबसे अधिक है। विनिर्माण क्षेत्र का सूचकांक कम होकर 57.3 पर रहा जो अक्तूबर में 57.3 था। सेवा व विनिर्माण क्षेत्रों के लिए विदेशी मांग में सुधार से निर्यात चार माह के शीर्ष पर रहा। निर्माताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल के साथ सेवा क्षेत्र में भोजन व मजदूरी लागत पर मूल्य दबाव बढ़ रहा है।

योजना: चीन से आपूर्ति कम करने के लिए अनोखी पहल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के लिए 5 अरब डॉलर का प्रोत्साहन देगा भारत

नई दिल्ली। उद्योग को बढ़ावा देने और चीन से आपूर्ति कम करने के लिए भारत मोबाइल से लैपटॉप तक गैजेट बनाने के लिए कंपनियों को पांच अरब डॉलर तक प्रोत्साहन देगा। एपल और सैमसंग जैसी वैश्विक कंपनियों द्वारा मोबाइल विनिर्माण में वृद्धि के कारण भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन पिछले छह वर्षों में दोगुना से अधिक बढ़कर 2024 में 115 अरब डॉलर हो गया है। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्मार्टफोन आपूर्तिकर्ता है। लेकिन चीन जैसे देशों से आयातित घटकों पर निर्भरता के कारण इस क्षेत्र को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी अधिकारियों ने कहा, नई योजना सर्किट बोर्ड जैसे प्रमुख घटकों के उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी। इससे घरेलू मूल्य संवर्धन में सुधार होगा। एजेंसी

तीन महीने में लॉन्च होगी योजना

प्रोत्साहन योजना दो से तीन महीनों में लॉन्च होगी। हालांकि, इसका पूरा विवरण अभी जारी नहीं किया गया है। इसे इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय ने बनाया है। पात्र कंपनियों की पहचान हो गई है। योजना अंतिम चरण में है। वित्त मंत्रालय जल्द ही योजना के अंतिम निवेश को मंजूरी दे देगा।

500 अरब डॉलर का लक्ष्य

बात अगर नीति आयोग की करें तो आयोग के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है।

ऑस्ट्रेलिया से इस्राइल तक फैले हैं प्रोजेक्ट, श्रीलंका में बंदरगाह तो बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति

नई दिल्ली। केन्या ने अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी की दो परियोजनाओं को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस पूर्वी अफ्रीकी देश ने यह फैसला अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से गौतम अदाणी पर रिश्वत का आरोप लगने के बाद किया। भारत के दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी के प्रोजेक्ट महज केन्या ही नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया से लेकर इस्राइल तक फैले हैं। अदाणी पोर्ट्स भारत का सबसे बड़ा निजी बंदरगाह संचालक तो है ही, उत्तरी इस्राइल के हाइफा बंदरगाह का 70: हिस्सा भी अदाणी समूह के पास है। हाइफा के बाकी हिस्से का मालिक इस्राइली गैडोट समूह है। अदाणी पोर्ट्स ने 2023 के शुरू में 1.2 अरब डॉलर में यह बंदरगाह खरीदा था। इस खरीद से उम्मीदें बढ़ीं कि इस पोर्ट को एक प्रमुख व्यापार केंद्र बनाया जा सकता है, जो इस्राइल को मध्य पूर्व खासकर सऊदी अरब से जोड़ेगा। इसका इस्राइल से आधिकारिक संबंध नहीं है। हाइफा बंदरगाह अदाणी पोर्ट्स के सालाना कार्गो वॉल्यूम का 3 फीसदी हिस्सा है। कार्गो वॉल्यूम कार्गो ले जाने के लिए उपलब्ध जगह की मात्रा है, जिसे घन फीट या घन मीटर में मापा जाता है। समूह ने 2010 में ऑस्ट्रेलियाई राज्य क्वींसलैंड में विवादास्पद कारमाइकल कोयला खदान परियोजना खरीदी थी। यह खदान उत्सर्जन और ग्रेट बैरियर रीफ को होने वाले नुकसान को लेकर सात साल जलवायु कार्यकर्ताओं के निशाने पर रही। नतीजन दिसंबर 2021 तक खदान से पहला माल तक नहीं भेजा जा सका था। खदान की सालाना उत्पादन 1 करोड़ मीट्रिक टन है, जो परिकल्पित 6 करोड़ से बहुत कम है। समूह को नस्लवाद के आरोप भी झेलने पड़ रहे हैं। अदाणी पोर्ट्स के पास श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक कंटेनर टर्मिनल प्रोजेक्ट का 51: हिस्सा है। इसके 2025 से काम शुरू करने की उम्मीद है। समूह ने वेस्ट कंटेनर इंटरनेशनल टर्मिनल को विकसित करने के लिए श्रीलंकाई समूह जॉन कील्स होल्डिंग्स और श्रीलंकाई बंदरगाह प्राधिकरण के साथ 2021 में समझौते पर दस्तखत किए थे। परियोजना को वित्तपोषित करने के लिए यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प से 46,68 अरब रुपये जुटाए गए थे। विदेशी जलविद्युत योजनाओं की तैयारीरू अदाणी समूह की अगले कुछ साल में 10 गीगावाट की विदेशी जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है। समूह की इन योजनाओं से परिचित सूत्रों के मुताबिक, समूह नेपाल, भूटान, केन्या, तंजानिया, फिलीपीन और वियतनाम जैसे देशों में जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण की संभावना तलाश रहा है।

बुमराह ने 11वीं बार पारी में पांच विकेट लिए, ऑस्ट्रेलिया में दूसरी बार, बतौर कप्तान बनाया रिकॉर्ड

पर्थ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने वाली भारतीय टीम के 150 रन पर सिमटन के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में आठ विकेट गंवा चुकी है। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 67 रन पर सात विकेट गंवा दिए थे। दिन के खेल के अंत तक भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिए थे। अब शनिवार को ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका एलेक्स कैरी के रूप में लगा, जिन्हें बुमराह ने विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। यह टेस्ट में बुमराह का 11वां फाइव विकेट हॉल रहा। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई धरती पर उन्होंने दूसरी बार ऐसा किया है।

बुमराह ने इन्हें पवेलियन भेजा

बुमराह ने अब तक नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस और एलेक्स कैरी को आउट किया है। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वह अब तक 37 विकेट ले चुके हैं। इनमें दो फाइव विकेट हॉल शामिल हैं। इस मैच से पहले बुमराह ने 2018–19 में मेलबर्न में 33 रन देकर छह विकेट झटके थे। ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय गेंदबाद द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड कपिल देव के नाम है। उन्होंने 106 रन देकर आठ विकेट झटके थे। वहीं, कुंबले ने 141 रन देकर आठ विकेट झटके थे और वह लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय कपिल देव हैं। उन्होंने 51 विकेट झटके थे, जबकि कुंबले 49 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने 39 विकेट झटके हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं। बुमराह के पास इस दौरे पर इन सभी को पीछे छोड़ने का मौका है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी

खिलाड़ी	सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी
कपिल देव	8/106
अनिल कुंबले	8/141
जसप्रीत बुमराह	6/33
अजीत अगरकर	6/41
बीएस चंद्रशेखर	6/52
एस आबिद अली	6/55
मोहम्मद शमी	6/56
ईएस प्रसन्ना	6/104
जसप्रीत बुमराह	5/30

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

खिलाड़ी	मैच	विकेट
कपिल देव	11	51
अनिल कुंबले	10	49
आर अश्विन	10	39
जसप्रीत बुमराह	8	37
बीएस बेदी	7	35

बुमराह टीम इंडिया के कप्तान हैं

बुमराह पर्थ टेस्ट में टीम इंडिया के कप्तान भी हैं। उनका यह स्पैल विदेश में किसी टेस्ट में किसी भारतीय कर्तान द्वारा दूसरी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। कपिल देव इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं। उन्होंने विदेश में टेस्ट में 106 रन देकर आठ विकेट झटके थे। इस मामले में बुमराह ने बीएस बेदी और वीनू मांकड़ को पीछे छोड़ दिया। बेदी ने विदेश में टेस्ट में 55 रन देकर पांच विकेट और मांकड़ ने विदेशी जमीन पर 64 रन देकर पांच विकेट झटके थे। बुमराह ने अब तक टेस्ट में 178 विकेट, वनडे में 149 विकेट और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 89 विकेट झटके हैं।

अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग का बड़ा कदम, रिश्वत मामले में गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर तलब

नई दिल्ली। अदाणी समूह के संस्थापक और चेयरमैन गौतम अदाणी व उनके भतीजे सागर अदाणी को अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने समन जारी किया है। एसईसी ने उन्हें आकर्षक सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 265 मिलियन डॉलर (2,200 करोड़ रुपये) की रिश्वत देने के आरोप पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कहा है। अदाणी के अहमदाबाद स्थित शांतिवन फार्म आवास और उनके भतीजे सागर के उसी शहर स्थित बोदकदेव आवास पर समन भेजकर 21 दिनों के मांगा गया गया है।

न्यूयॉर्क ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से 21 नवंबर को भेजा गया नोटिस

न्यूयॉर्क ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की आरे से से 21 नवंबर को भेजे गए नोटिस में कहा गया है, ष्इस समन की आप तक तामील के 21 दिनों के भीतर (जिस दिन आपको यह समन मिला, उसे छोड़कर)...आपको वादी (एसईसी) को संलग्न शिकायत का उत्तर या संघीय सिविल प्रक्रिया नियम 12 के अंतर्गत एक प्रस्ताव तामील कराना होगा।ष इसमें कहा गया है, यदि आप जवाब देने में विफल रहते हैं, तो शिकायत में मांगी गई राहत के लिए आपके खिलाफ डिफॉल्ट रूप से निर्णय दर्ज किया जाएगा। आपको अपना जवाब या प्रस्ताव भी अदालत में दाखिल करना होगा।

265 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने पर कथित रूप से सहमति देने का आरोप

बुधवार को न्यूयॉर्क की एक अदालत में खोले गए अभियोग पत्र के अनुसार, गौतम अदाणी, 62, और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य प्रतिवादियों, जो समूह की अक्षय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड में निदेशक हैं, ने आकर्षक सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध हासिल करने के लिए लगभग 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकार के अधिकारियों को लगभग 265 मिलियन डालर की रिश्वत देने पर कथित रूप से सहमति व्यक्त दी, जिससे कंपनी को 20 वर्षों में 2 अरब डॉलर का लाभ मिलने की उम्मीद थी।

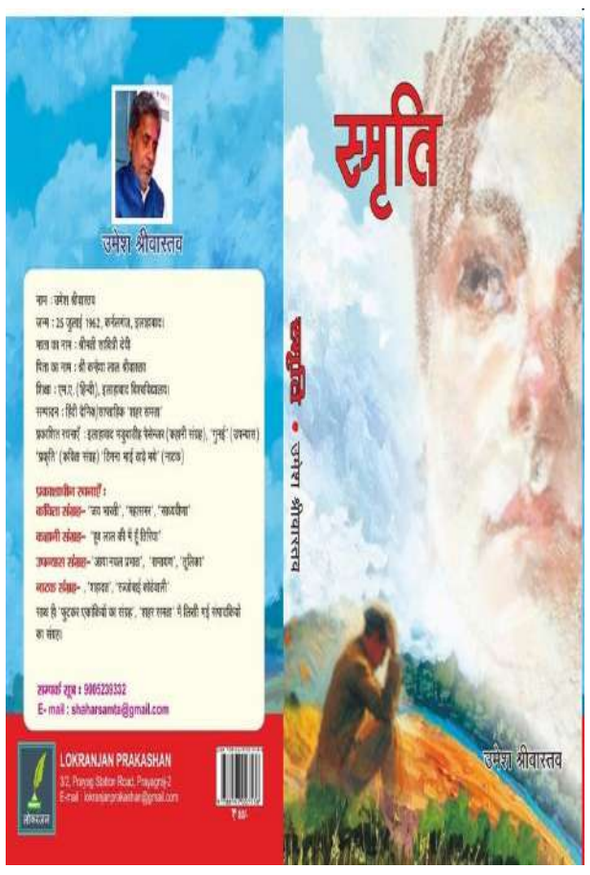

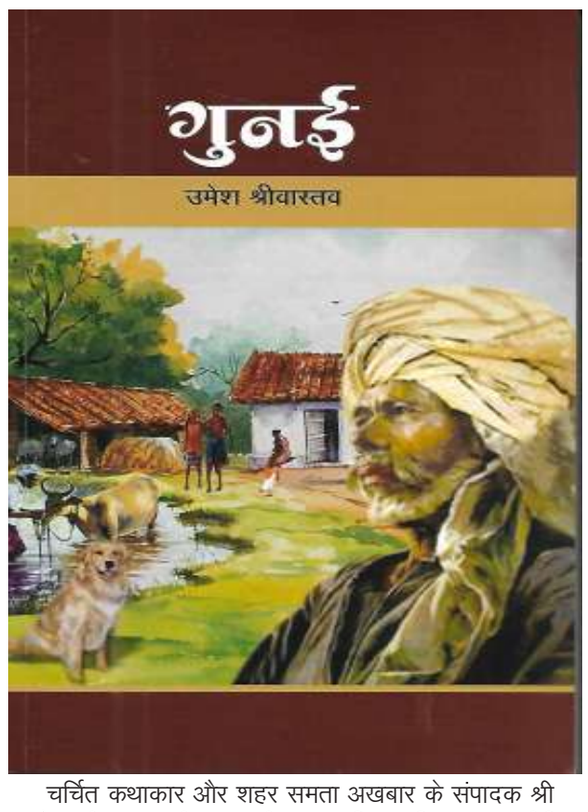

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

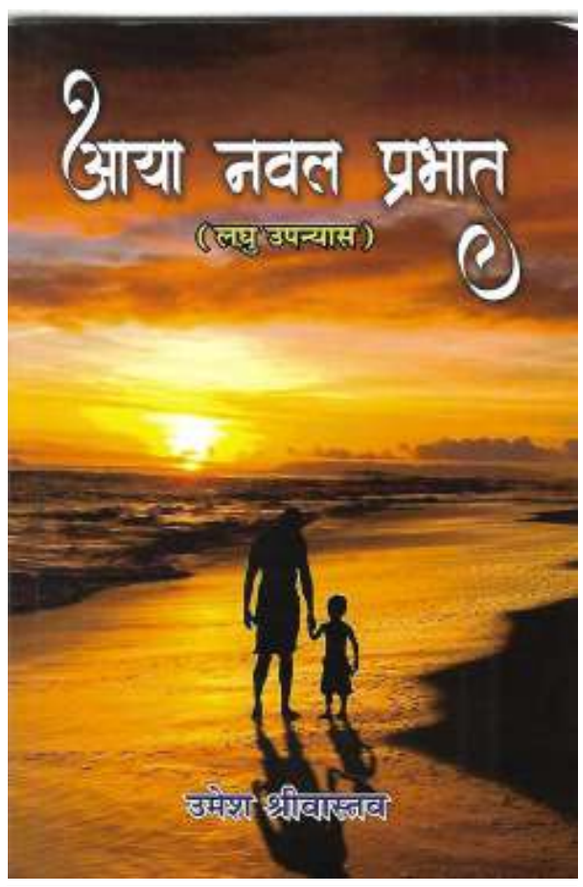

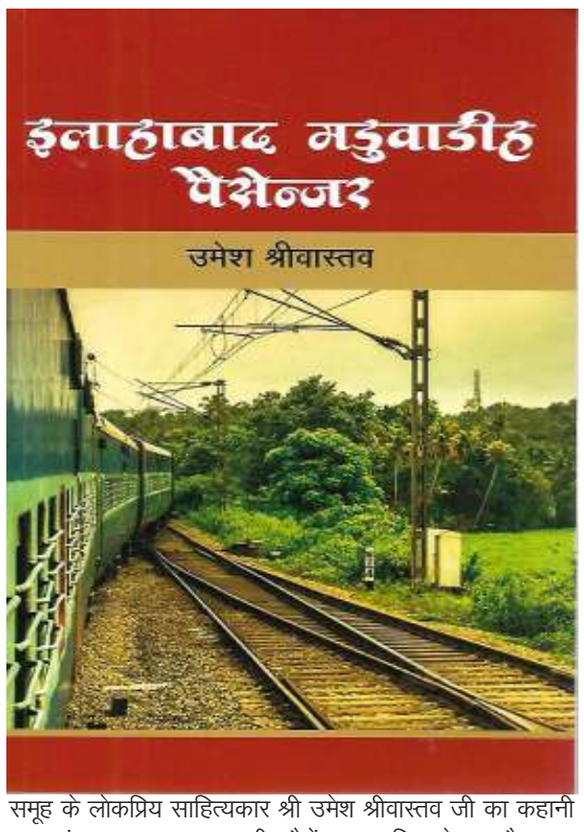

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

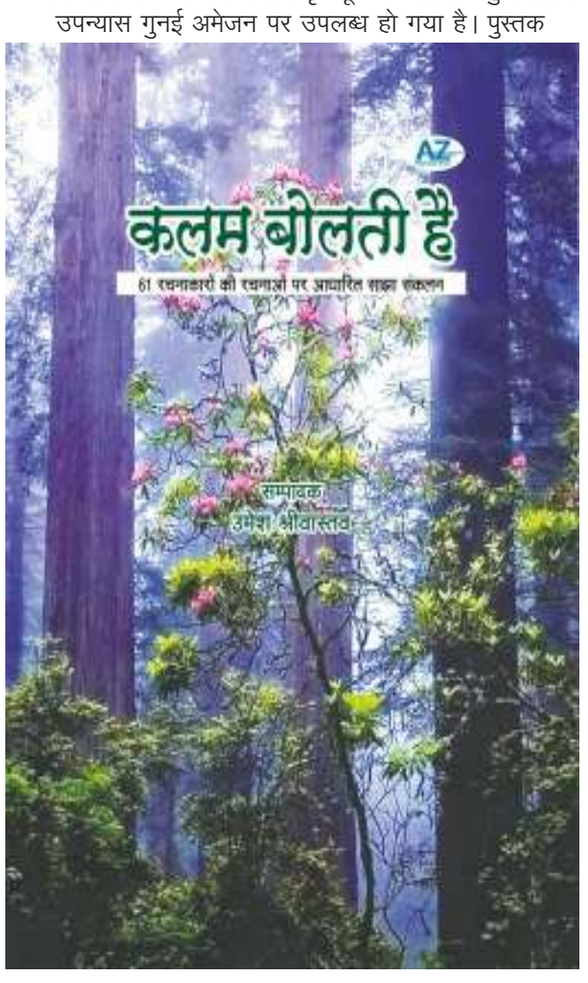

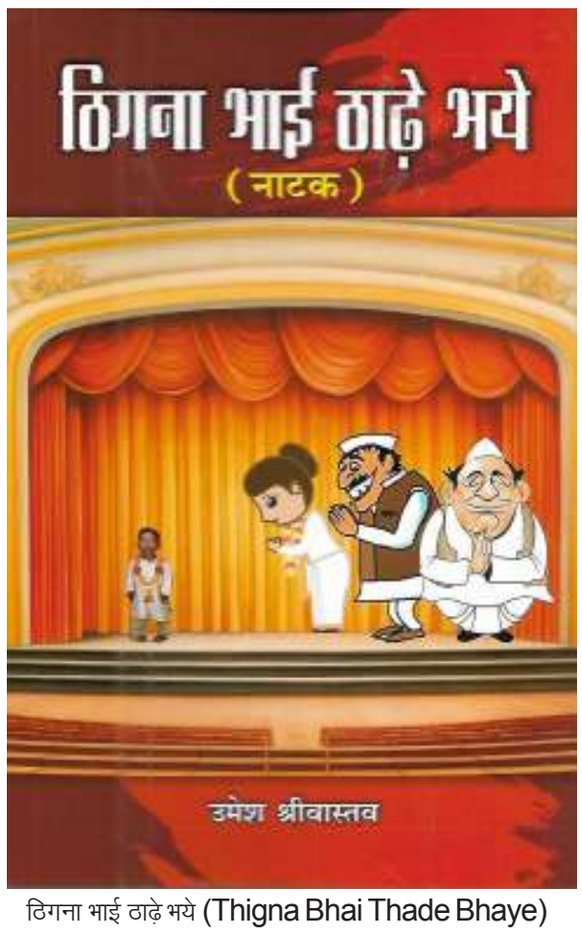

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

मेरी चीन की यात्रा काफी सफल रहेगी : ओली

नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि चीन की उनकी आगामी आधिकारिक यात्रा काफी सफल रहेगी। कार्यभार संभालने के बाद किसी पड़ोसी देश की यह उनकी पहली यात्रा होगी। ओली ने कहा, ''मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर

जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''उत्पादकता बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी।' हालांकि, सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ओली की यात्रा और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

तहव्वुर राणा का अब भारत में होगा हिसाब! प्रत्यर्पण का रास्ता हुआ साफ

2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा ने भारत में अपने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। नौवें सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय सहित निचली और संघीय अदालतों में लड़ाई हारने के बाद यह उनका अंतिम कानूनी प्रयास है, जिसने 23 सितंबर को रोक के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।इसी साल 15 अगस्त को अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने भारत–अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत तहव्वुर

को भारत भेजने का फैसला सुनाया था। इस फैसले के खिलाफ राणा अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। तहव्वुर पर मुंबई हमले की फंडिंग का आरोप है। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी राणा ने पिछले साल फेडरल कोर्ट नाइंथ सर्किट में याचिका दायर की थी। उसने गुहार लगाई थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए, लेकिन उस गुहार को खारिज कर दिया गया था। मई 2023 में भी अमेरिकी अदालत ने राणा की तरफ से दायर याचिका को खारिज किया था। अब अगर सुप्रीम कोर्ट भी तहव्वुर की अपील को खारिज कर देता है, तो वह आगे और अपील नहीं कर पाएगा। इसके बाद तहव्वुर को भारत लाया जा सकेगा। भारत को सौंपे जाने से बचने के लिए राणा ने अमेरिकी कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। इस याचिका का इस्तेमाल उस समय किया जाता है, जब किसी व्यक्ति को अवैध रूप से कस्टडी में रखा जाए। इसके बाद लॉस एंजिलिस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने कहा था कि जिन आरोपों को आधार बनाकर भारत ने तहव्वुर के प्रत्यर्पण की मांग की है।

नेतन्याहू के अरेस्ट वॉरेंट पर अमेरिका हुआ नाराज, इसे 'जल्दबाजी' बताया

संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के फैसले को खारिज कर दिया, जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों का आरोप है। व्हाइट हाउस की प्रेस

सचिव कैरिन जीन–पियरे ने एक प्रेस वार्ता में फैसले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से खारिज करते हैं। उन्होंने वारंट मांगने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की और परेशान करने वाली प्रक्रिया की त्रुटियों की ओर इशारा किया जिसके कारण यह नतीजा निकला। जीन–पियरे ने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस मामले पर आईसीसी के अधिकार क्षेत्र की कमी के बारे में स्पष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियोजक चाहे कुछ भी कहे, कोई सबूत नहीं है, इज़राइल और हमास के बीच कोई सबूत नहीं है। व्हाइट हाउस अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए इज़राइल सहित अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

इमरान की पार्टी के प्रदर्शन को कुचलने में जुटी शहबाज सरकार, इस्लामाबाद में लगाईं नई पाबंदियां

इस्लामाबाद। पीटीआई के 24 नवंबर को इस्लामाबाद में होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पाकिस्तान के अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी इस्लामाबाद में सख्ती बढ़ा दी है। यहां अधिकारियों ने आज से ही इस्लामाबाद के प्रमुख प्रवेश मार्गों को बंद करना शुरू कर दिया।

पीटीआई के विरोध प्रदर्शन से पहले इस्लामाबाद में सख्ती

पाकिस्तान में यह कदम तब उठाया गया है जबकि पीटीआई ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। यहां राष्ट्रीय मोटरवे और राजमार्ग प्राधिकरण ने मरम्मत कार्य का हवाला देते हुए एम–1 और एम–2 मोटरमार्गों के साथ–साथ अन्य प्रमुख मार्गों को बंद करने की घोषणा की है। बता दें कि पेशावर और लाहौर को इस्लामाबाद से जोड़ने वाले एम–1 और एम–2 महत्वपूर्ण मार्ग हैं। इनका

इस्तेमाल अक्सर प्रदर्शनकारी राजधानी की ओर जाने के लिए करते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने पिछले हफ्ते 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था, ताकि सरकार पर दबाव डाला जा सके और उनके जेल में बंद नेता को रिहा किया जा सके। इमरान एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं। शहबाज शरीफ सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्लामाबाद में धारा 144 लागू कर दी है। यह ब्रिटिश काल का कानून है, जो सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगाता है। इतना ही नहीं, सुरक्षा बढ़ाने के लिए संघीय सरकार ने राजधानी में व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की सहायता के लिए अर्धसैनिक रेंजर्स और फ्रंटियर कोर (एफसी) के जवानों को भी बुलाया है। इसके साथ ही शुक्रवार को इस्लामाबाद के सभी छात्रावासों को भी खाली करा दिया गया है।

पंजाब प्रांत में भी लागू हुई धारा 144

वहीं दूसरी ओर पंजाब में भी सरकार ने 23 नवंबर से 25 नवंबर तक पूरे प्रांत में धारा 144 लागू कर दी है। इस दौरान विरोध प्रदर्शनों, सार्वजनिक समारोहों, रैलियों और धरने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसी तरह इस्लामाबाद में 18 नवंबर से धारा 144 लागू है।

पीटीआई अपनी मांग पर अड़ी

वहीं, इमरान खान की पार्टी पीटीआई अपनी मांगों को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रही है। तमाम प्रतिबंधों के बावजूद पीटीआई विरोध मार्च करने पर अड़ी हुई है। गौरतलब है कि इमरान खान को 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पीटीआई सरकार बर्खास्त होने के बाद से कई मामलों में आरोपी बनाया गया है। वह पिछले साल से रावलपिंडी की अदियाला जेल में 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं; उनमें से कुछ में जमानत मिल गई, कुछ में दोषी ठहराया गया और कुछ पर सुनवाई चल रही है।

बुशरा बीवी के वीडियो संदेश के बाद नया विवाद शुरू

वहीं, दूसरी ओर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी द्वारा मित्र देश सऊदी अरब पर दिए बयान के बाद विवाद शुरू हो गया है। बुशरा बीबी ने कहा था कि उनके पति की समस्याएं सऊदी अरब की यात्रा के बाद शुरू हुईं। हालांकि, इमरान खान ने अपनी पत्नी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि बीबी ने सऊदी अरब का बिल्कुल भी जिक्र नहीं किया।

वीडियो बयान में खान की 2018 की यात्रा का जिक्र

बुशरा बीबी ने बृहस्पतिवार को खान की सितंबर 2018 की यात्रा जिक्र करते हुए एक वीडियो बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि खान की समस्याएं तब शुरू हुईं, जब वह मदीना गए और उन्हें अपने विमान से बिना जूतों के बाहर निकलते देखा गया। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद तत्कालीन सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा को फोन आए। उन्होंने कहा, खान की वापसी के तुरंत बाद, बाजवा को फोन आने लगे कि ये तुम किसको लाए हो? हम इस देश में शरिया व्यवस्था को खत्म कर रहे हैं और आप शरिया के प्रवर्तकों को लेकर आए हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में फैल गई हिंसा, 18 लोगों की मौत

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गुटीय हिंसा में पिछले 24 घंटे में कम से कम 18 लोग मारे गए हैं और 30 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने कहा कि पिछले 24 घंटों में उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम 18 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में अलीजई और बागान जनजातियों के बीच झड़पें गुरुवार को यात्री वैन के काफिले पर हुए हमले के बाद हुईं, जिसमें आतंकवादियों ने 47 लोगों की हत्या कर दी थी। बालिश्खेल, खार काली, कुंज अलीजई और मकबल में भी गोलीबारी जारी है। जनजातियाँ भारी और स्वचालित हथियारों से एक–दूसरे को निशाना बना रही हैं। झड़पों में अब तक 18

लोग मारे गए हैं और 30 घायल हुए हैं। स्वतंत्र और मीडिया सूत्रों ने झड़पों में 30 से अधिक लोगों की मौत की सूचना दी। लड़ाई में घरों और दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। विभिन्न गांवों से लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भाग गये हैं। बिगड़ती स्थिति के कारण, जिले के सभी शैक्षणिक संस्थान शनिवार को बंद रहेंगे, निजी शिक्षा नेटवर्क के अध्यक्ष मुहम्मद हयात हसन ने पुष्टि की। बागान, मंदुरी और ओछत में 50 से अधिक यात्री वाहनों पर गोलीबारी की गई। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में छह वाहन सीधे प्रभावित हुए, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों सहित 47 लोगों की मौत हो गई। बागन, मंदुरी और ओछाट में 50 से अधिक वाहनों पर गोलीबारी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इसमें महिलाओं और बच्चों सहित 47 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि ज्यादातर मृतक शिया समुदाय से थे।

वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में वित्त और ऊर्जा मंत्रालय में ठनी

IMF की इस शर्त पर है विवाद

इस्लामाबाद। वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में आईएमएफ की एक शर्त को लेकर वित्त और ऊर्जा मंत्रालय आपस में भिड़ गए हैं। दरअसल, आईएमएफ ने 7 अरब अमेरिकी डॉलर के समझौते को लेकर पाकिस्तान के सामने जनवरी तक औद्योगिक बिजली संयंत्रों को गैस आपूर्ति कम करने की शर्त रखी थी। लेकिन इसे पूरा करने को लेकर अब पाकिस्तान के वित्त और ऊर्जा मंत्रालय में विवाद हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में इसे लेकर पीएम शहबाज शरीफ के आवास पर एक बैठक हुई थी, जहां ऊर्जा मंत्रालय की पेट्रोलियम डिवीजन ने दावा किया कि वित्त मंत्रालय ने कार्यक्रम वार्ता के समय अपनी आपत्तियों के बावजूद शर्तों को स्वीकार कर लिया। इस डिवीजन ने आगे दावा किया कि अचानक कनेक्शन कटने से सरकार और उद्योगों को 427 अरब रुपये का नुकसान हो सकता है। वहीं, दूसरी ओर वित्त मंत्रालय का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ वार्ता के समय पेट्रोलियम डिवीजन ने उसकी शर्त पर अपनी सहमति दी थी। लेकिन अब जबकि शर्त को अमलीजामा पहनाने की बात है तब वह अपनी स्थिति बदल रहा है। बता दें कि दोनों के बीच यह विवाद तब सामने आया है जबकि ऊर्जा मंत्रालय ने यह आकलन जारी किया था कि उद्योगों को गैस से बिजली पर पूरी तरह से स्थानांतरित करने में लगभग दो साल लगेंगे। मामले से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर कम से कम दो बैठकें की हैं, जबकि पिछले हफ्ते आईएमएफ के साथ भी चार बैठकें हुईं। आईएमएफ ने 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के पैकेज के बदले में लगभग 40 शर्तों पर सहमति के साथ पाकिस्तान ने सितंबर में उद्योगों द्वारा घरेलू बिजली उत्पादन के लिए गैस की आपूर्ति को स्थायी रूप से रोकने के लिए हस्ताक्षर किये थे। लेकिन कुछ ही हफ्तों में मंत्रालयों में आपस में विवाद हो

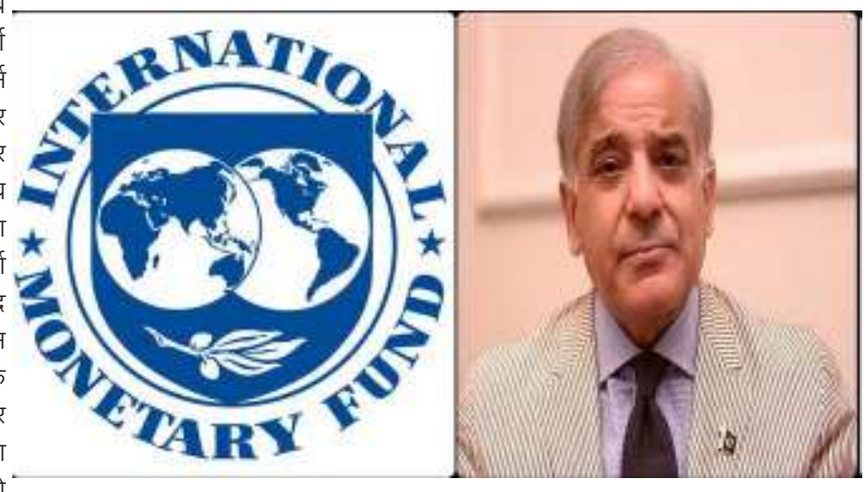

गया है। वहीं, पेट्रोलियम डिवीजन का अनुमान है कि अगर आपूर्ति अचानक बाधित हो जाती है तो सैकड़ों अरब रुपये का नुकसान होगा। इसमें आवासीय उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर गैस की आपूर्ति करने के लिए औद्योगिक उपभोक्ताओं से वसूली जाने वाली 100 अरब रुपये की क्रॉस–सब्सिडी भी शामिल है। आईएमएफ सौदे के अनुसार, गैस क्षेत्र में सुधार सभी क्षेत्रों में मूल्य सामान्यीकरण और कैप्टिव पावर उन्मूलन पर केंद्रित होगा। आईएमएफ गिरती बिजली की खपत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से औद्योगिक उपभोक्ताओं को राष्ट्रीय बिजली ग्रिड में स्थानांतरित करना चाहता है।

इजरायल की लेबनान में भीषण एयरस्ट्राइक, 47 की मौत, 22 घायल

इजरायली हवाई हमले ने मध्य बेरूत को निशाना बनाया, जिससे लेबनानी राजधानी हिल गई क्योंकि इजरायल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह समूह के खिलाफ अपना आक्रामक अभियान चलाया। लेबनानी मीडिया ने बताया कि इस हमले में कम से कम 47 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 22 लोग घायल हो गए हैं। रॉयटर्स के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह लगभग 4 बजे (0200 ळडज) बेरूत में कई शक्तिशाली विस्फोट हुए। दो सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि हमले में कम से कम चार रॉकेट दागे गए। बेरूत के बस्ता इलाके में विस्फोट स्थल की ओर एंबुलेंस दौड़ रही थीं तो सायरन की आवाज सुनी जा सकती थी। लेबनान के अल जदीद द्वारा प्रसारित फुटेज में कम से कम एक नष्ट हुई इमारत और उसके आसपास की कई अन्य बुरी तरह से क्षतिग्रस्त दिखाई दीं। इस सप्ताह बेरूत के केंद्रीय क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया चौथा इजरायली हवाई हमला है। रविवार को, एक इजरायली हवाई हमले में रास अल–नबा जिले में हिजबुल्लाह के एक वरिष्ठ मीडिया अधिकारी की मौत हो गई। गाजा युद्ध के कारण लगभग एक साल तक चली सीमा पार शत्रुता के बाद, इज़राइल ने सितंबर में लेबनान में हिज़्बुल्लाह के खिलाफ एक बड़ा हमला शुरू किया, लेबनान के व्यापक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए और दक्षिण में सेना भेजी। संघर्ष तब शुरू हुआ जब हिजबुल्लाह ने 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़राइल पर हमला शुरू करने के बाद अपने फिलिस्तीनी सहयोगी हमास के साथ एकजुटता दिखाते हुए गोलीबारी शुरू कर दी।

खुले मैदान में ट्रेनिंग कर रहे थे रूसी सैनिक, तभी यूक्रेन रॉकेट के हमले में हुए ढेर, सामने आया वीडियो

कीव। रूस यूक्रेन युद्ध का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक यूक्रेनी रॉकेट रूसी सैनिकों को निशाना बनाते नजर आ रहा है। इस हमले में पांच रूसी सैनिक मारे जाने की आशंका है और कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। रूसी सैनिक ट्रेनिंग कर रहे थे, जब यह हमला हुआ। इसके बाद रूसी सेना की रणनीति पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार को करीब दर्जनभर रूसी सैनिक कब्जाए गए यूक्रेनी इलाके जापोरजिया ओब्लास्ट इलाके में खुली जगह पर ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन उन पर यूक्रेनी सर्विलांस की नजर थी। जैसे ही रूसी सैनिक एक वैन से उतरे तो तभी यूक्रेन ने 92 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक हाई मोबिलीटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम से एम30/31 रॉकेट लॉन्च किए। रॉकेट रूसी सैनिकों के पास गिरा, जिससे कम से कम पांच रूसी सैनिकों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। इस हमले से रूस की कमजोर रणनीति भी उजागर हो गई क्योंकि जापोरजिया और डोनेत्सक इलाके में हुए ऐसे हमलों में फरवरी से अब तक सैंकड़ों रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद रूसी सेना के शीर्ष अधिकारी बार–बार खुले मैदान में सैनिकों का प्रशिक्षण आयोजित कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ताजा हमले में एक रूसी जनरल की भी मौत हो सकती है और एक उत्तर कोरियाई समकक्ष घायल हो सकता है। यूक्रेन द्वारा लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल करके रूस के कमांड सिस्टम को बाधित करने की कोशिश की जा रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।